दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 130/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 04 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सोना 459 गिरकर 1.28 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 4 दिसंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 459 रुपए सस्ता होकर 1,27,755 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 1,28,214 रुपए का था। वहीं, चांदी का दाम 2,477 रुपए गिरकर 1,75,713 रुपए हो गया है।

नौसेना दिवस आज, जो समुद्र पर खड़ा है और अजेय वीरता के साथ देश को हर खतरे से बचाता है

पीएम मोदी ने कहा, पक्के इरादे की पहचान तो अमित शाह ने बताया गर्व का किला

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना दिवस के मौके पर पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत सभी बड़े नेताओं ने नौ सैनिकों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने जहां नौसेना को बहुत हिम्मत और पक्के इरादे की पहचान बताया। गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा कि भारतीय नौसेना हमारे गर्व का किला है, जो समुद्र पर खड़ा है और अजेय वीरता के साथ देश को हर खतरे से बचाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि हिंद महासागर में सबसे बड़ी नेवल पावर के तौर पर, नेवी बहादुरी, सतर्कता और आत्मनिर्भरता

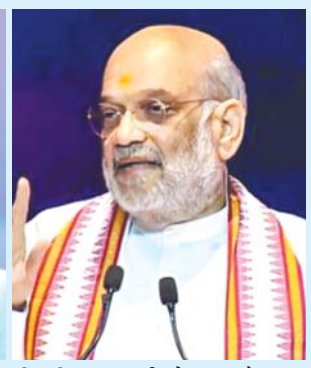

के प्रति कमिटमेंट के साथ भारत के समुद्री हितों को बनाए रखती है और विकसित भारत की ओर भारत के सफर को आगे बढ़ाती है। पीएम मोदी ने लिखा, इंडियन नेवी के सभी लोगों को नेवी डे की बधाई। हमारी नेवी बहुत हिम्मत और पक्के इरादे की पहचान है। वे हमारे किनारों की सुरक्षा करते हैं और हमारे समुद्री हितों को बनाए रखते हैं। हाल के सालों में, हमारी नेवी ने आत्मनिर्भरता और मॉडर्नाइजेशन पर ध्यान दिया है। इससे हमारे सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिली है। मैं इस साल की दिवाली कभी नहीं भूल सकता, जो मैंने आईएनएस विक्रांत पर नेवी के लोगों के साथ बिताई। इंडियन नेवी को उनके आगे के कामों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

नौसेना ने केरल तट पर युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया

नौसेना दिवस समारोह पर भारतीय नौसेना ने अपनी समुद्री शक्ति और बहु-क्षेत्रीय युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी बुधवार को शंगुमुघम तट पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, एक पनडुब्बी, चार नौकाएं और लड़ाकू जेट, निगरानी विमान और हेलीकॉप्टर सहित 32 विमान और 19 प्रमुख युद्धक पोत अभियान का हिस्सा हैं। इसी अभियान के तहत नौसेना शक्ति प्रदर्शन किया।

नौसेना भारत के समुद्री हितों को बनाए रखती है

राजनाथ सिंह ने लिखा, नौसेना दिवस के मौके पर, मैं भारतीय नौसेना के सभी कर्मचारियों और परिवारों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हिंद महासागर में सबसे बड़ी नेवल पावर के तौर पर, नेवी बहादुरी, सतर्कता और आत्मनिर्भरता के प्रति कमिटमेंट के साथ भारत के समुद्री हितों को बनाए रखती है और विकसित भारत की ओर भारत के सफर को आगे बढ़ाती है। पिछले साल हमारी नेवी और हमारे नेवी के कर्मचारियों ने जो प्रोफेशनलिज्म और कमिटमेंट के ऊंचे स्टैंडर्ड दिखाए हैं, उससे मुझे पूरा भरोसा है कि इंडियन नेवी हमारे देश के समुद्री हितों की रक्षा करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मैं भारतीय नौसेना को उसकी सभी कोशिशों में सफलता की कामना करता हूं। अमित शाह ने लिखा, नौसेना दिवस 2025 पर इंडियन नेवी के योद्धाओं को हार्दिक बधाई। भारतीय नौसेना हमारे गर्व का किला है, जो समुद्र पर खड़ा है और अजेय वीरता के साथ देश को हर खतरे से बचाता है और समुद्री रास्तों से हमारी तरक्की की रक्षा करता है। उन्होंने अपनी जान कुर्बान करके देशभक्ति की जो सुनहरी गाथा लिखी है, वह आने वाली पीढ़ियों के योद्धाओं को प्रेरित करेगी। नेवी के उन योद्धाओं को श्रद्धांजलि जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दे दी।

सांध्यप्रकाश विशेष

एनटीपीसी के चेयरमैन ने दिल्ली में मप्र के सीएम डॉ. यादव को गाडरवाड़ा में 660 एमवी की दूसरी इकाई की जानकारी दी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से आज नई दिल्ली में एनटीपीसी के चेयरमैन गुरदीप सिंह ने भेंट की । इस अवसर पर सिंह ने ग्लोबल निवेश सम्मेलन में हुए अनुबंध की प्रगति से सीएम को अवगत कराया। उन्होंने गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर में 6000 करोड़ की लागत से आ रही 660 एमवी की दूसरी इकाई की भी जानकारी दी और भूमिपूजन के लिए तैयारी से अवगत कराया । उन्होंने एनटीपीसी की ओर से परमाणु संयंत्र और सोलर प्लांट लगाने हेतु राज्य के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव और एसीएस ऊर्जा नीरज मंडलोई भी मौजूद थे।

एनसीआर के शहरों में 20 ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली। ईडी आज एनसीआर के शहरों के 20 ठिकानों पर रेड डालने पहुंची है। मैक्सिजोन पोंजी स्कीम से जुड़े केस में एनसीआर के गाजियाबाद, नोएडा और मेरठ में

प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी जारी है। इस स्कीम को चंद्र भूषण सिंह और प्रियंका सिंह चलाते थे। इन पर आरोप है कि इन्होंने निवेशकों को अवास्तविक लाभ का वादा करके 300 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की और फिर धन लेकर फरार हो गए। इस मामले से जुड़े मुख्य अपराध के संबंध में दोनों प्रमोटर वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

बड़ी झील में तैरने लगे शिकारे मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

शिकारा में बैठे सीएम, स्पीकर और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, चाय-नाश्ते का लुत्फ भी उठाया

भोपाल। राजधानी भोपाल में अब डल झील जैसा नजारा देखने को मिलेगा। शहर की शान बड़ी झील में आज 20 शिकारे उतारे गये हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाई और खुद शिकारे में बैठकर सैर की। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी मौजूद रहे। अब आम लोग भी इन शिकारों का लुत्फ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने शिकारों की सुविधाओं की सराहना की। सैर के दौरान उन्होंने शिकारा-बोट रेस्टोरेंट से चाय, पोहा, समोसे और फलों का नाश्ता किया और फ्लोटिंग बोट मार्केट से साड़ी और जैकेट भी खरीदी। बोट क्लब पर हुए कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सरकार की ओर से बीजेपी और कांग्रेस के सभी विधायकों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। लेकिन नेता प्रतिपक्ष सिंघार के अलावा कोई अन्य कांग्रेसी विधायक कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। सिंघार ने कहा कि अच्छा काम होता है तो सरकार की सराहना करेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि इन शिकारों को कश्मीर की डल झील की तर्ज पर तैयार किया गया है। इससे वॉटर टूरिज्म और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। इन शिकारों का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन निगम करेगा।

4 लोगों किराया लगेगा 400 रुपए

हर शिकारे में चार लोग बैठ सकेंगे और आधे घंटे की सैर के लिए 400 रुपए शुल्क देना होगा। हर एक शिकारा करीब 2.40 लाख रुपए में तैयार हुआ है। शिकारे सुबह 9 बजे से सूर्यास्त तक अवेलेबल रहेंगे। सैर के दौरान नाविक पर्यटकों को बड़े तालाब और भोपाल की विरासत से जुड़ी जानकारी भी देंगे।

प्रदूषण रहित तकनीक से निर्माण

इन सभी 20 शिकारों का निर्माण आधुनिक और प्रदूषण रहित तकनीक से किया गया है। इनका निर्माण 'फाइबर रीइन्फोर्स्ड पॉलीयूरिथेन' और उच्च गुणवत्ता वाली नॉन-रिएक्टिव सामग्री से किया गया है, जो जल के साथ किसी भी प्रकार की रासायनिक प्रतिक्रिया नहीं करती। इससे तालाब की पारिस्थितिकी और जल की शुद्धता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

शिकारे से हैंडीक्राफ्ट, फल-सब्जियां खरीद सकेंगे

पर्यटक इन शिकारों का आनंद लेने के साथ-साथ बर्ड वॉचिंग भी कर सकेंगे। शिकारे में हैंडीक्राफ्ट उत्पाद, स्थानीय व्यंजन, ऑर्गेनिक सब्जियां और फल खरीदने की भी व्यवस्था की गई है। राइड के दौरान पर्यटक दूरबीन से तालाब और उसके आसपास के पक्षियों को देख सकेंगे और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकेंगे।

संसद: प्रदूषण के मुद्दे पर विपक्षी सासंदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। आज संसद के शीतकालीन सत्र के चौथा दिनरुस के पहले रूस के पहले डिप्टी प्राइम मिनिस्टर डेनिस मंटुरोव पार्लियामेंट पहुंचे हैं। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली एयर पॉल्यूशन के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। कई विपक्षी सांसद गैस मास्क पहनकर पहुंचे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- हमें कौन सा मौसम एन्जॉय करना चाहिए? बाहर के हालात तो देखो। जैसा सोनिया जी ने कहा, बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं। उन्हें अस्थमा है और उनके जैसे सीनियर सिटिजन को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। हालात साल दर साल खराब होते जा रहे हैं। विपक्षी सांसदों ने नारे लगाते वायु

प्रदूषण पर संसद में चर्चा की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने प्रदूषण को लेकर सरकार की आलोचना की और बताया कि विपक्षी सांसद केंद्र का ध्यान आकर्षित करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

राहुल बोले- सरकार नहीं चाहती विपक्ष पुतिन से मिले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के भारत दौरे को लेकर लोकसभा में विपक्ष के राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर सवाल किया। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार नहीं चाहती है कि विपक्ष बाहर से आने वाले लोगों से मिले। मोदी जी और विदेश मंत्रालय इस नियम का पालन नहीं करते हैं। यह उनकी इनसिक्योरिटी है।

विधानसभा में विपक्ष का वॉकआउट

नुकसान से चार गुना ज्यादा पैसा हमने दिलाया: डॉ. यादव

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन आज विधानसभा में मुआवजे पर हंगामा हुआ और कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि धान की उपज का आंकड़ा उपज मंडी में मौजूद है। जो नुकसान हुआ था उस नुकसान के चार गुना ज्यादा पैसा हमने अपने दिलाया। इस दौरान सदन में हंगामा होने लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2003 में 3 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर राशि दी जाती थी। उसका 5 गुना राशि हमारी सरकार दे रही है।

कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने श्योपुर जिले के किसानों के खाते में राहत राशि नहीं डालने का मामला उठाया। जंडेल ने कहा कि किसानों के खाते में राशि नहीं पहुंची है और सरकार इस मामले में सही जवाब नहीं दे रही है। इस पर हंगामा शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि 16000 रुपए प्रति हेक्टेयर राहत राशि दी जानी थी, लेकिन किसानों के खाते में पैसा नहीं पहुंचा है। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने बताया। इस पर कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने आपत्ति जताई और कहा कि ग्वालियर जिले में भी फसल बर्बाद हुई, लेकिन केवल दो-चार लोगों को मुआवजा दिया जा रहा है। अतिवृष्टि के कारण फसल चौपट होने से अभी तक नौ से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। विधायक सिकरवार ने कहा कि विधानसभा में झूठी जानकारी दी जा रही है। मंत्री विजयवर्गीय ने सवाल बदले जाने के आरोपों पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रश्न संदर्भ समिति है, उसमें जाना चाहिए। इस तरह विधानसभा को बदनाम किया जाना ठीक नहीं है। मंत्री करण सिंह वर्मा ने बताया कि ग्वालियर और शिवपुरी जिले में 7 करोड़ 33 लाख रुपए राहत राशि वितरित की गई।

प्रश्नकाल में फसलों की नुकसान और मुआवजे का मुद्दा उठा- प्रश्नोत्तर काल शुरू होने पर दतिया गुना और भिंड जिले में अन्नदाता को कोई नुकसान नहीं हुआ है। ऐसा राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने बताया। इस पर

इस पर विधायक सिकरवार ने असंतोष जताया और कहा कि मृतकों को एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाए। स्पीकर ने कहा अति वर्षा पर 5 घंटे चर्चा कर चुके हैं। इसको छोड़कर कोई नया प्रश्न हो तो विधानसभा में आना चाहिए और उस पर चर्चा होनी चाहिए।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विधानसभा परिसर में कांग्रेस का प्रदर्शन

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने साधा निशाना

भोपाल, सांध्यप्रकाश। विधानसभा सत्र के तीसरे दिन मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विधानसभा परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया।

सरकार की नीतियों एवं निर्णयों के खिलाफ अपनी आपत्ति को प्रभावी ढंग से दर्ज कराते हुए कांग्रेस विधायकदल ने 'बंदर के हाथ में उस्तरा' कहावत का सांकेतिक प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य यह बताना था कि भाजपा सरकार के हाथ में सत्ता का उस्तरा आ जाने से वह प्रदेश की जनता के हितों को निरंतर चोट पहुँचा रही है।

नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने कहा कि 'बंदर रूपी भाजपा सरकार के हाथ में उस्तरा आ गया है, और वह युवाओं के रोजगार, प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और किसानों के अधिकारों पर बेरहमी से उस्तरा चला रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोज़गारी चरम पर है, स्वास्थ्य सुविधाएँ बदहाल हैं, कानून-व्यवस्था अस्त-व्यस्त है,और किसान न्याय

और अधिकारों के लिए तरस रहे हैं। श्री सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता की मूल समस्याओं से मुंह मोड़कर केवल राजनीतिक स्टंट में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकदल जनता की आवाज़ बनकर हर मोर्चे पर सरकार को कटघरे में खड़ा करता रहेगा। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह प्रदेश की जनता के हितों, अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों से लेकर विधानसभा तक संघर्ष जारी रखेगी।

इनकम टैक्स टीडीएस कमिश्नर भारती सिंह से मिला भोपाल चेंबर का प्रतिनिधिमंडल

भोपाल। आज नवीन आयकर भवन में वित्तीय अधिनियम 2025 सहित टीडीएस प्रावधानों में हुए हालिया संशोधन और आयकर अधिनियम 2025 की मुख्य विशेषताओं पर कॉर्पोरेट कनेक्ट इंटरएक्टिव सेशन हुआ संपन्न। इस इंटरएक्टिव सेशन में विभिन्न व्यापारियों ने अपने क्षेत्र में आ रही टैक्सेशन से संबंधित समस्याओं के बारे में इनकम टैक्स टीडीएस कमिश्नर श्रीमती भारती सिंह को अवगत करवाया। इस सेमिनार में भोपाल के प्रतिष्ठित व्यापारिक संगठन, व्यापारीगण, कॉरपोरेट्स एवं भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का प्रतिनिधिमंडल सेशन से लाभान्वित हुए। भोपाल चेंबर की ओर से अध्यक्ष आकाश गोयल, उपाध्यक्ष सुनील जैन 501, महामंत्री आदित्य जैन मनया, कार्यकारिणी सदस्य वैभव जैन, मनीष सोगानी, अजय देवनानी, विशेष आमंत्रित सदस्य मुनींद्र वैद्य, अमित जैन शामिल हुए। इनकम टैक्स एक्ट 2025 की विशेषताओं एवं टीडीएस टीसीएस पर बहुत ही सकारात्मक एवं ज्ञानवर्धक इंटरएक्टिव सेशन रहा। भोपाल चेंबर के सदस्यों ने उनकी बात को गंभीरता से सुनने के लिए श्रीमती भारती का आभार व्यक्त किया।

इसी दिन मां पार्वती ने अन्नपूर्णा रूप धारण किया था

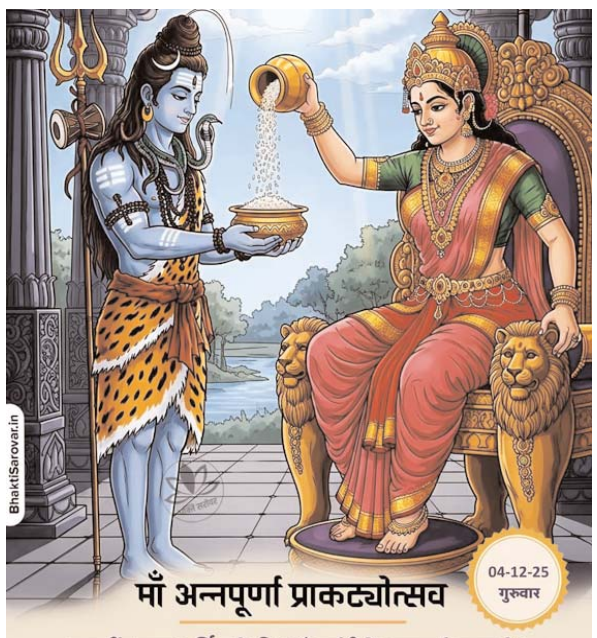

अन्नपूर्णे सदा पूर्णे शंकरप्राणवल्लभे
ज्ञान वैराग्य-सिद्ध्यर्थं भिक्षां देहिं च पार्वति

मागर्शीष शुक्ल पूर्णिमा के दिन माँ पार्वती के अन्नपूर्णा स्वरूप के अवतरण दिवस को अन्नपूर्णा प्राकट्योत्सव के रूप में मनाया जाता है, इसी दिन मां पार्वती ने अन्नपूर्णा रूप धारण किया था। माता अन्नपूर्णा अन्न और समृद्धि की देवी हैं, इस दिन माँ अन्नपूर्णा की आराधना करनी चाहिए, माँ की कृपा से घर में कभी भी अन्न की कोई कमी नही होती है। इस दिन रसोईघर को अच्छी तरह साफ कर, घर के चूल्हे की पूजा करनी चाहिए। अन्नपूर्णा प्राकट्योत्सव के दिन मां अन्नपूर्णा की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है, जिससे सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। मार्गशीर्ष महीने की पूर्णिमा तिथि 04 दिसंबर को सुबह 4 बजकर 37 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इस तिथि का समापन 05 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 43 मिनट पर होगा। इस वर्ष माँ अन्नपूर्णा का प्राकट्योत्सव गुरुवार, 04 दिसंबर को मनाया जायेगा।

पंडित लेखराज शर्मा ज्योतिषाचार्य गुफा मंदिर धाम भोपाल

कविता

रात दस मिनट की होती है

विनोद कुमार शुक्ल

कवि विनोद कुमार शुक्ल साहित्य अकादमी सम्मान और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित हैं। लगभग जयहिंद, वह आदमी चला गया गरम कोट पहिन कर विचार की तरह, नौकर की कमीज, खिलेगा तो देखेंगे, दीवार में खिड़की रहती थी प्रमुख कृतियां प्रकाशित।

रात दस मिनट की होती
तो पाँच मिनट में आधी रात हो जाती
रातें ऐसी ही बीतीं।

दिन दस मिनट का होता
तो पाँच मिनट में आधा दिन बीत जाता
दिन ऐसे ही बीते।

मैं दो दिन की ज़िंदगी जी सकता हूँ
एक दिन मैं तुम्हारे पास रहूँगा
दूसरे दिन तुम मेरे पास रहना।

भारतीय नौसेना दिवस
(Indian Navy Day)

हर साल 04 दिसम्बर को, भारतीय नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। यह दिवस भारतीय नौसेना के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसकी स्थापना 04 दिसम्बर 1971 को की गई थी। इसके साथ ही भारतीय नौसेना के प्रयासों और उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए भी इस दिवस की शुरुआत हुई थी। यह दिवस भारतीय नौसेना की ताकत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। 1971 में, भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, भारतीय नौसेना ने बड़ी भूमिका निभाई और युद्ध में सफलता हासिल की। इसलिए, इस दिन को भारतीय नौसेना की बहादुरी और सेवाओं को याद करने के लिए चुना गया।

क्यों मनाया जाता है 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस

1971 के युद्ध के दौरान, भारतीय नौसेना ने 04.12.1971 की रात को ऑपरेशन ट्राइडेंट आरंभ किया। यह पाकिस्तान के कराची बंदरगाह से चलाए गए ऑपरेशन चंगेज खान का जवाबी कदम था। भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर हमला किया और सफलता प्राप्त की। भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर बम बरसाकर उसे नष्ट कर दिया। इस हमले में कई पाकिस्तानी सैनिकों की जानें गईं लेकिन भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

3 दिसंबर 1971 से शुरू होकर 17 दिसंबर 1971 तक चलने वाले युद्ध में, बांग्लादेश ने पाकिस्तान से अलग होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा प्राप्त किया। हम इस युद्ध को भारत-पाकिस्तान युद्ध के रूप में भी जानते हैं। मई 1972 में आयोजित वरिष्ठ नौसेना अधिकारी सम्मेलन में, 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना के प्रयासों और उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए 04 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिन के अवसर पर, भारतीय नौसेना द्वारा विभिन्न समारोह और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें सैन्य दलों की परेड, उनकी कला प्रदर्शनी, और समर्थन में लोगों की भागीदारी शामिल होती है। इस दिन को राष्ट्रीय स्तर पर उत्साह, गर्व, और समर्थन के साथ मनाया जाता है, और लोग अपने सैनिकों की साहस और पराक्रम की प्रशंसा करते हैं। (साभार)

भारतीय नौसेना की जय हो सदा विजय हो
राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

जंबूरी मैदान में सकल समाज वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा आयोजित संगीतमयी श्रीराम कथा महोत्सव

अनुराग से ही भक्ति की निरंतरता, अनुराग के लिए हरिकथा,संतों का संग करें : मुरलीधर महाराज

भोपाल सांध्यप्रकाश। जंबूरी मैदान में सकल समाज वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा आयोजित संगीतमयी श्रीराम कथा महोत्सव छठवां दिन अंतरराष्ट्रीय संत कथा व्यास पूज्य मुरलीधर महाराज ने भक्ति, अनुराग और रामचरितमानस के प्रमुख प्रसंगों पर मार्मिक एवं जीवन-उन्मुख संदेश दिए। उन्होंने कहा कि भक्ति की निरंतरता केवल अनुराग से बनी रहती है, और अनुराग प्राप्त करने का मार्ग है– हरिकथा का श्रवण और संतों का संग। महाराज ने बताया कि जब भगवान राम जनकपुर से विवाह उपरांत अयोध्या लौटे, तब माता कौशल्या का हृदय उनके दर्शन से अनुपम आनंद से भर गया। कौशल्या कहती हैं कि जितने दिन मैंने अपने राम के दर्शन नहीं किए, वे दिन मेरे जीवन से मानो कट गए। संसार में जो अनुराग मुझे श्रीराम से मिला, वह मुझे कहीं और कभी नहीं मिला। कौशल्या के मन में यह भावना थी कि जिन दिनों राम ने मुझे दर्शन नहीं दिए, वे दिन जैसे मेरे जीवन से कट गए।÷अनुराग से ही भक्ति की निरन्तरता और अनुराग के लिए हरिकथा,संतो का संग करें। महाराज जी ने आगे बताया कि अयोध्या लौटने के बाद जब महाराज दशरथ राजसिंहासन पर बैठे, तो चारों ओर उनकी प्रशंसा हो रही थी मुरलीधर महाराज जी ने कहा कि जब कभी भी अत्यधिक प्रशंसा हो रही हो और आपकी प्रशंसा में बहुत ज्यादा भीड़भाड़ हो तो तो अवलोकन करना चाहिए क्योंकि भीड़ के साथ भाड़ शब्द भी जुड़ा रहता है अत्यधिक प्रशंसा हमारे पुण्यों का क्षरण करती है ,पतन का कारण बनती है उन्होंने कहा कि राजा दशरथ अपने

श्वेत होते बालों को देखकर जीवन की अनित्यता पर विचार किया। मुरलीधर महाराज ने आगे कथा विस्तार में दशरथ कैकई संवाद और रामवन गमन की कथा कही

समय का पहिया चलता है,,,तपसी का वेश धर राम वन चले,,,,जैसे भजनों को सुनकर श्रोताओं के नयन सजल हो गए छठवें दिन भी कथा स्थल पर अत्यधिक भीड़ देखने को मिली। विशाल पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा और कई लोग पंडाल से बाहर बैठकर कथा का श्रवण करते रहे। प्रवक्ता बलवंत सिंह रघुवंशी उपाध्यक्ष हरीश बाथवी एवं पदम सिंह जाट ने बताया कि यह आयोजन समाज में धार्मिक मूल्यों, संस्कारों और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं प्रचार के उद्देश्य से प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी महोत्सव में हर वर्ग के महिला पुरुष बड़ी संख्या में उत्साह से शामिल हो रहे हैं। सकल समाज वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति, गोपाल नगर भेल भोपाल की ओर से जंबूरी मैदान में आयोजित संगीतल्मयी श्री राम कथा महोत्सव का यह आठवां वर्ष है महोत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में राम भक्त श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं।

समिति प्रवक्ता बलवंत सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस वर्ष ईको फ्रेंडली अर्थात प्लास्टिक से दूरी बनाने के प्रयास किए गए हैं समिति अगले वर्ष ग्राम अमझरा में एक गौ शाला निर्माण करेगी फिर प्रत्येक जिले में गौ शालाएं संचालित करने की कार्य योजना बना कर कार्य शुरू करेगी। आज कथा श्रवण करने में आरती करने हेतु पूज्य महंत रामदास अयोध्या नगर, भाजपा नेता गिरीश शर्मा, अखण्ड रघुवंशी समाज कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर सिंह रघुवंशी, मुख्य यजमान संयोजक रमेश भगवती रघुवंशी, मुकेश दर्शना शर्मा हीरालाल रीना गुर्जर गोविन्द वंदना पालीवाल मोर सिंह मधु राजपूत, पदम सिंह जाट, ललित विभा पाण्डेय, विजय माहेश्वरी, क्षमा शर्मा, भोजपाल उत्सव समिति अध्यक्ष सुनील यादव, गोकुल कुशवाहा,साधना ए एल सिंह, विजय दुबे, जमना प्रसाद साहू,सुधीर सोनी सन्तोष मालवीय, जयप्रकाश मालवीय छोटे लाल पटेल रामसिंह यादव दिलीप विश्वकर्मा सतीश सिंह, आदित्य जाना, कुबेर पाण्डेय कोषाध्यक्ष मिथिलेश गौर, भरत साहू, अनिता दुबे, बबीता नंदमेहर, नंदिनी बिट्टू दुबे, बृजेश रघुवंशी मनोज गुप्ता हरिद्वार आदि कथा में शामिल रहे।

स्व-बन्धु सेवा-पुरानी परम्परा का पुनर्जागरण, नई पीढ़ी का संकल्प

राजपूत समाज ने एक अभिनव निर्णय लिया है कि शादी-विवाह, मायरा और अन्य शुभ प्रसंगों पर होने वाले लेन-देन में, दोनों पक्ष मिलकर कुल राशि का आधा-आधा प्रतिशत अपने जरूरतमन्द भाइयों की सहायता हेतु स्थापित ÷स्व-बन्धु सेवा कोष÷ में देंगे। यह कोष समाज के उन सदस्यों के लिए समर्पित रहेगा जो शिक्षा, सेवा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं में किसी भी प्रकार की तंगी से जूझ रहे हैं। यह समाचार पढ़कर मन में अनायास भाव आया-÷यह है सच्ची समाज सेवा का अनुपम उदाहरण ! अपने ही बन्धुओं के प्रति उत्तरदायित्व का जीवंत स्वरूप !

कभी हमारे जैन समाज में भी शादी-विवाह, मायरा और विविध शुभ अवसरों पर धर्मादे की राशि दोनों पक्ष मिलकर दिया करते थे। दोनों पक्ष साथ बैठकर चर्चा करते, राशि निर्धारित करते और तत्पश्चात उसे संस्थाओं तक पहुँचाते। यह प्रथा सिर्फ एक परम्परा नहीं थी, बल्कि आपस में जुड़े रहने की भावना, साझा जिम्मेदारी और स्वबंधु सेवा का प्रतीक थी। पर जैसे-जैसे समृद्धि बढ़ी, जीवन में व्यस्तता आई, इस श्रेष्ठ परम्परा के प्रति उदासीनता भी धीरे-धीरे घर करती गई। आज स्थिति यह है कि यह प्रथा सुनने को लगभग नहीं मिलती-जैसे किसी पुरानी किताब का एक प्रिय पृष्ठ समय की धूल में कहीं दब गया हो।अब समय है-पुरानी विरासत को नई चेतना से जोड़ने का। राजपूत समाज की यह प्रेरक पहल हम सबके लिए एक संदेश है- समाज तभी मजबूत बनता है जब हर व्यक्ति, हर परिवार, हर अवसर, किसी न किसी रूप में स्व-बन्धु सेवा से जुड़ता है। जैन समाज के लिए भी यह अत्यंत उपयुक्त समय है कि हम अपनी खोई हुई परम्परा को पुनः जीवित करें। मेरा चेन्नई के जैन समाज, समाज के अग्रगण्य श्रावकगण एवं पूज्य साधु-साध्वी वृंद से विनम्र निवेदन है कि- एक 'स्व-बन्धु सेवा कोष' नाम की नई संस्था बनाई जाए,जिसमें दोनों परिवार किसी भी शुभ प्रसंग के खर्च का मात्र आधा प्रतिशत समर्पित करें। यह योगदान कोई बोझ नहीं होगा, बल्कि किसी भूखे स्वबंधु के लिए भोजन बनकर,किसी विद्यार्थी के लिए शिक्षा का आधार बनकर,किसी असहाय व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य-सहायता बनकर, और किसी जरूरतमन्द भाई के लिए सम्मान की ढाल बनकर उभरेगा। किसी को भी समाज से बाहर सहायता मांगने की नौबत न आए-यही इस कोष का धर्म, यही इसका मूल्य, यही इसकी आत्मा है। यदि हम सभी इस पहल को स्वीकार करें, उसे आगे बढ़ाएँ, तो ÷स्व-बन्धु सेवा÷ सिर्फ परम्परा नहीं रहेगी, बल्कि एक सतत चलने वाला योग बन जाएगी।आज फिर वही समय आ गया है कि हम मिलकर कहें- हम अपने स्व-बन्धुओं के रक्षक हैं। हम किसी को अभाव में नहीं रहने देंगे। हम अपने समाज की प्राचीन परम्परा को नए संकल्प के साथ पुनर्जीवित करेंगे।

सुगालचन्द जैन, चेन्नई

धूनी वाले दादाजी की पुण्यतिथि पर हवन-पूजन के साथ हुआ भंडारा

भोपाल सांध्यप्रकाश। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में बुधवार को सभी भगवान की पूजन के पश्चात श्री धूनीवाले दादाजी की पुण्यतिथि के अवसर पर दादाजी धाम मंदिर के गर्भग्रह में विराजमान श्री धूनी वाले दादाजी की प्रतिमा पर पंडित

राजेन्द्र पलिया की उपस्थिति में प्रातः 10 बजे से रुद्राभिषेक, नर्मदा अष्टक शिवाष्टक,पूजन, हवन, आरती, विधि विधान से यजमान शिवरतन नामदेव पत्नी अर्चना नामदेव, शशि कुमार गुप्ता, मनोज मोहन अनीता नामदेव , अखिलेश श्रीवास्तव, धनंजय बोरकर, आर डी धुर्वे,जीवन नामदेव, राजन चक्रवर्ती, हर्ष, सर्वेश, अवधेश सिंह, शुभ्रा, शिखा,श्वेता, अंजू,नीतू एवं अन्य सभी भक्तों को विधि विधान से पूजन किया । अखंड धूनी में विशेष रूप से नारियल से उपस्थित सभी भक्तों ने हवन किया , आरती के पश्चात धूनी वाले दादाजी को चने की भाजी, टिक्कड़, छोले,कदूद की सब्जी,सूजी का हलवा, पुड़ी का भोग लगाकर सभी भक्तों को इको फ्रेंडली स्टील के बर्तनों में भंडारे का प्रसाद परोसा गया भव्य आयोजन दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक किया गया। जिसमें सभी भक्तों उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्री दादाजी धूनीवाले की एक महान संत, स्वामी केशवानंदजी महाराज के बारे में है, उनका जन्म मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के साईंखेड़ा में हुआ माना जाता है, जहां उन्होंने कई चमत्कार दिखाए। उन्होंने खंडवा में 1930 में समाधि ली, जहां आज भी उनका समाधि स्थल और 91 साल से लगातार जल रही अखंड धूनी है। इस अवसर पर भगवान के दर्शन करने के लिए मंदिर के पट सुबह से देर रात तक खुले रहे।

ताड़ासन बच्चों में संतुलन, ऊर्जा और ऊंचाइयों तक बढ़ने की प्रेरणा जगाता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल सांध्यप्रकाश। सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल में आयोजित विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में योग गुरु महेश अग्रवाल द्वारा योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं तनाव प्रबंधन विषय पर डिप्लोमा इंजीनियरिंग के छात्र- छात्राओं को प्रेरक व्याख्यान एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने समूह में ताड़ासन का अभ्यास करते हुए अनुशासन, ऊर्जा और संतुलन का सुंदर प्रदर्शन किया। ताड़ासन के महत्व पर योग गुरु महेश अग्रवाल ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा - ताड़ासन बच्चों की शारीरिक वृद्धि, लंबाई और रीढ़ की मजबूती को स्वाभाविक रूप से बढ़ाता है। यह आसन पूरे शरीर को सीधा व संतुलित रखकर सही पॉश्चर विकसित करता है। ताड़ासन एकाग्रता बढ़ाने का अत्यंत सरल

और प्रभावी अभ्यास है।नियमित अभ्यास से मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं और शरीर में खिंचाव आता है। यह बच्चों को मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। ताड़ासन से फेफड़ों की क्षमता बढ़कर श्वास-प्रणाली अधिक सक्रिय होती है। यह शरीर में ऊर्जा प्रवाह बढ़ाकर बच्चों को चैतन्य और उत्साही बनाता है। खेल-कूद, पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों में प्रदर्शन बेहतर होता है। ताड़ासन बच्चों को सिखाता है कि जैसे हम दृढ़ता से खड़े होते हैं, वैसे ही जीवन में भी दृढ़ रहना चाहिए। बचपन से ही यह अभ्यास स्वस्थ, ऊर्जावान और संतुलित भविष्य की नींव रखता है।

स्त्री और विषाद - दबी ऊर्जा, टूटती सृजनात्मकता और योग की चिकित्सा

योग गुरु महेश अग्रवाल

जब स्त्री अपनी दबी भावनाओं को योग के माध्यम से मुक्त करती है, तब विषाद समाप्त हो जाता है और उसकी सृजनशील ऊर्जा पुनः दिव्यता से झरने लगती है।

स्त्री जीवन अपने आप में सृजन, संवेदनशीलता, करुणा, धैर्य और सौन्दर्य का अद्भुत संगम है। किंतु इसी सृजनशील शक्ति के भीतर सबसे अधिक भावनात्मक संवेदनाएँ भी जन्म लेती हैं। यही संवेदनशीलता, जब संतुलित रहती है तो स्त्री को उन्नत करती है, परिवार को सँवारती है और समाज में ऊर्जा का संचार करती है। परन्तु यही संवेदनशीलता, जब किसी कारणवश आहत होती है, दबी रह जाती है या लगातार उपेक्षित होती है–तो भीतर एक अनदेखा अंधकार उत्पन्न होने लगता है, जिसे भारतीय मनोविज्ञान में 'विषाद' कहा गया है।

विषाद केवल दुःख नहीं, यह उस गहरी व्यथा का नाम है जिसमें मन अर्थहीनता, अकेलेपन, संवेदनात्मक थकावट, टूटती इच्छाशक्ति और अवरुद्ध ऊर्जा से भर जाता है। स्त्री के जीवन में यह अवस्था अत्यंत सामान्य है, परंतु अक्सर पहचान में नहीं आती।

यह लेख स्त्री-विषाद के दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, ऊर्जात्मक और योगिक पहलुओं को गहराई से समझाता है, तथा बताता है कि योग, प्राणायाम, ध्यान और आध्यात्मिक अभ्यास - स्त्री के भीतर छिपी दबी ऊर्जा को कैसे मुक्त कर सकते हैं।

विषाद क्या है? - स्त्री-मन की मौन नदी विषाद केवल उदासी नहीं है। विषाद वह अवस्था है जब - मन अपनी ऊर्जा खो देता है, विचारों का प्रवाह रुक जाता है, निर्णय क्षमता क्षीण होने लगती है, भावनाएँ अवरुद्ध हो जाती हैं, ऊर्जा नीचे गिर जाती है और जीवन का अर्थ धुँधला पड़ जाता है। आयुर्वेद में इसे तमोगुण की वृद्धि कहा जाता है। योग में इसे प्राण-शक्ति का अवरोध कहा जाता है। आधुनिक मनोविज्ञान इसे नैदानिक ??अवसाद स्पेक्ट्रम में रखता है। स्त्रियों में विषाद पुरुषों की अपेक्षा 2.5 गुना अधिक पाया जाता है, क्योंकि- उनकी भावनाएँ गहरी होती हैं, कर्तव्य और अपेक्षाएँ अधिक होती हैं, हार्मोनल उतार-चढ़ाव अधिक होते हैं, सामाजिक दबाव अधिक होता है, त्याग की संस्कृति अधिक है और अंतर्मुखी पीड़ा सहने की प्रवृत्ति अधिक है। विषाद वह दर्द है जो बोलता नहीं - और स्त्री इसलिए चुप रहती है क्योंकि वह टूटने से अधिक बिखरने से डरती है।

विषाद के मनोवैज्ञानिक कारण - स्त्री क्यों टूटने लगती है?

भावनात्मक उपेक्षा - स्त्री की प्राथमिक आवश्यकता है-समझे जाने की, सुने जाने की और स्वीकार किए जाने की।जब यह नहीं मिलता, तो भीतर जमा होता है-अनसुना दर्द, दबा हुआ रोष, अंदर ही अंदर चुभती निराशा। यह ऊर्जा भीतर कुंडली मारकर विषाद उत्पन्न करती है। अनकहे शब्द, अनछुए घाव - स्त्री अक्सर अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं करती, जिससे मन में जमा होते हैं - दबे हुए आँसू, अनकही शिकायतें, टूटे हुए विश्वास, अनसुलझे प्रश्न। ये भावनात्मक अवरोध ऊर्जाक्षेत्र में गाँठें बना देते हैं। त्याग की संस्कृति - स्त्री को बचपन से सिखाया जाता है - पहले परिवार, फिर दुनिया, फिर खुद। यही क्रम उसके भीतर एक अपराध-बोध उत्पन्न कर देता है। जब वह स्वयं के लिए कुछ करना चाहती है, तब भी उसे लगता है - क्या मैं स्वार्थी हो गई हूँ? यह भीतर दबी क्रियाशक्ति को नष्ट करता है, और विषाद को जन्म देता है। प्रेम का टूटना / विश्वास का आहत होना, स्त्री का हृदय प्रेम से निर्मित है। विश्वास का टूटना उसकी आत्मा को घायल कर देता है।

यह गहरी मानसिक पीड़ा विषाद का सबसे बड़ा कारण है। हार्मोनल परिवर्तन - स्त्री जीवन में बड़े - मासिक धर्म, गर्भावस्था, प्रसव, रजोनिवृत्ति के दौरान गुणात्मक और मात्रात्मक हार्मोनल परिवर्तन होते हैं, जो सीधे भावनाओं, नींद, ऊर्जा और मूड को प्रभावित करते हैं। अकेलापन और संवाद का अभाव - स्त्री को एक मित्र, एक सहचरी या एक सच्चा श्रोता चाहिए। जब संवाद नहीं मिलता, तो मन भीतर दम घुटने लगता है। पारिवारिक व सामाजिक दवाब - सास-बहू तनाव, आर्थिक निर्भरता, बच्चों की जिम्मेदारी, सामाजिक अपेक्षाएँ, शारीरिक सौंदर्य की तुलना, क्या कहेंगे? वाली सोच। ये सभी स्त्री के भीतर एक निरंतर मानसिक युद्ध चलाते रहते हैं।

विषाद के संकेत - जब स्त्री का मन मदद माँग रहा हो विषाद कई संकेत देता है, परंतु स्त्रियाँ अक्सर इन्हें सामान्य मानकर नज़रअंदाज़ कर देती हैं। बिना कारण थकान ऊर्जा इतनी गिर जाती है कि शरीर उठना नहीं चाहता। अत्यधिक संवेदनशीलता छोटी बात भी बड़ी चोट की तरह लगती है। रोने की प्रवृत्ति आँसू रोकने की कोशिश में भी आँखें भर आती हैं।अर्थहीनता का अनुभव जीवन का लक्ष्य खो जाना सृजनात्मकता का क्षरण न पहले जैसी कला, न पहले जैसा उत्साह, न पहले जैसी प्रेरणा। निर्णय लेने में असमर्थता - मानो मन दो दिशाओं में खींचा जा रहा हो। असुरक्षा और भय - मुझसे नहीं होगा÷, मैं अकेली रह जाऊँगी- ऐसे विचार बढ़ जाते हैं। ये सभी संकेत बताते हैं कि मन लंबे समय से दबाव में है।

विषाद का योगिक विश्लेषण - ऊर्जा कहाँ अवरुद्ध हो जाती है?

स्त्री के भीतर तीन मुख्य ऊर्जा केंद्र अत्यधिक प्रभावित होते हैं - स्वाधिष्ठान चक्र - भावनाएँ और सृजन - यह चक्र अवरुद्ध होने पर स्त्री - उदास, प्रेरणाहीन, भयभीत, अत्यधिक संवेदनशील और भावनात्मक रूप से थकी हुई हो जाती है। अनाहत चक्र - प्रेम और करुणा - जब प्रेम में चोट लगती है, यह चक्र सिकुड़ जाता है। परिणाम - आत्म-हीनता, संबंधों में अविश्वास, आत्म-सम्मान में कमी। आज्ञा चक्र - निर्णय और दृष्टि - विषाद में यह चक्र धुंधला हो जाता है, जिससे आती है - भ्रम, असमंजस, नकारात्मक विचार - प्राणायाम और ध्यान इन तीनों को खोलने के लिए सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। विषाद का समाधान - योग, प्राणायाम और ध्यान से पुनरुत्थान स्त्री विषाद से कैसे निकले? योग क्या भूमिका निभाता है?प्राणायाम - अवरुद्ध ऊर्जा को पुनर्जीवित करना - नाड़ी शोधन प्राणायाम - भावनाओं का शोधन और चित्त की शांति। भ्रामरी प्राणायाम - अंदर जमी पीड़ा को पिघलाता है। स्त्रियों के लिए यह सर्वोत्तम है। कपालभाति (हल्का अभ्यास) - ऊर्जा बढ़ाता है, सुस्ती हटाता है। उज्जैयी प्राणायाम - भावनात्मक घावों का उपचार। योगासन - शरीर की जड़ता को तोड़ना। तितली आसन - भावनात्मक तनाव मुक्त करता है। भुजंगासन - हृदय को खोलता है, आत्मविश्वास बढ़ाता है। मार्जरी - व्याघ्रासन - रीढ़ में ऊर्जा प्रवाह को पुनर्स्थापित करता है। वृक्षासन - मानसिक स्थिरता बढ़ाता है। ध्यान - मन का गहन उपचार - विपश्यना ध्यान - भावनाओं के स्रोत तक ले जाता है। ओउम् ध्यान - कंपन शरीर की पीड़ा को शांत करते हैं। साइलेंस मेडिटेशन - मन में बसी अनकही पीड़ा पिघलने लगती है। आध्यात्मिक चिकित्सा - आत्मा की ऊर्जा को पुनः प्रज्ज्वलित करना - मंत्र चिकित्सा -गायत्री मंत्र - दुर्गा सप्तश्लोकी - महामृत्युंजय मंत्र । जप और स्वाध्याय स्त्री की चेतना को स्थिर करते हैं। सेवा और करुणा - आत्मा में प्रकाश जगाते हैं।

स्त्री की ऊर्जा का पुनर्जन्म – जब वह स्वयं का साथ देती है स्त्री को चाहिए - स्वयं को प्राथमिकता देने का साहस, अपनी भावनाओं को स्वीकारने की अनुमति, अपने मन की सुनने की स्वतंत्रता, और अपने अस्तित्व का सम्मान, स्त्री तभी उन्नत होती है जब वह कह सके - मैं भी महत्वपूर्ण हूँ, मेरी भावनाएँ भी मूल्यवान हैं। जब स्त्री योग और ध्यान से जुड़ती है - उसकी ऊर्जा पुनः प्रवाहित होने लगती है। वह फिर से - सृजनशील, प्रसन्न, धैर्यवान और साहसी बनने लगती है।

स्त्री विषाद का अंत शुरुआत है – स्त्री का विषाद केवल एक बीमारी नहीं - यह संदेश है कि वह लंबे समय से अपने भीतर दबे हुए सत्य, भावनाओं और ऊर्जा को जगाना चाहती है। योग उसे यह जागृति देता है। ध्यान उसे यह समझ देता है। आध्यात्मिकता उसे यह दिशा देती है। और प्रेम उसे यह उड़ान देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से की भेंट, मेडिकल कॉलेजों के भूमि पूजन का दिया आमंत्रण

भोपाल सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्र जेपी नड्डा से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा से मध्य प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर प्रारंभ होने वाले चार मेडिकल कॉलेज के भूमि पूजन में आने के लिए आमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम इस माह प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने टीवी प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश में अन्य क्षेत्रों के साथ स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर जन सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। इस क्रम में चार नए मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन कार्यक्रम प्रस्तावित है। ये मेडिकल कॉलेज पन्ना, बैतूल, कटनी और धार में प्रारंभ होंगे।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा जी ने इस कार्यक्रम के लिए मध्य प्रदेश पधारने के सहमति दी है। शीघ्र ही तिथि निर्धारित कर गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सारंगपुर हनुमान मंदिर गुजरात

कमलनाथ ने विधानसभा स्पीकर से पूछा- आपके सिंधिया के क्या हाल हैं, जवाब मिला- अच्छे, स्वस्थ और प्रसन्न हैं

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश विधानसभा में मंगलवार को उस समय हल्का-फुल्का अंदाज देखने को मिला जब पूर्व सीएम कमलनाथ अचानक विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के केबिन में पहुंच गए। कमलनाथ ने बैठक के दौरान सबसे पहले तोमर से पूछा कि आपके सिंधिया जी कैसे हैं। उनका इशारा केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरफ था, जिनका नाम इन दिनों प्रदेश की राजनीति में लगातार चर्चा में बना हुआ है। इस सवाल के बाद कमरे में ठहाके गूंज उठे।

अध्यक्ष के जवाब से बदल गया माहौल

कमलनाथ के सवाल पर विधानसभा स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर मुस्कराए और कहा कि सिंधिया बिल्कुल अच्छे हैं, स्वस्थ हैं और प्रसन्न हैं। उनके बयान के बाद कमरे में मौजूद दूसरे सदस्य भी हंसने लगे। चर्चा कुछ देर तक इसी मुद्दे पर टिकी रही। बताया गया कि यह मुलाकात सदन की कार्यवाही के बीच एक सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार के तहत हुई। हालांकि इस छोटे सी बातचीत ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी।

कैलाश विजयवर्गीय ने भी ली चुटकी

इसी दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी वहां मौजूद थे। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कमलनाथ को देखते हुए कहा कि आपके सिंधिया अब तो हमारे हो गए हैं। उनकी यह बात सुनकर कमरे में फिर से ठहाके गूंज उठे। कैलाश

का यह कमेंट उस पुराने राजनीतिक बदलाव की ओर इशारा था जब सिंधिया कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हुए थे। यह चुटकी मौके पर ही हल्के-फुल्के माहौल में बदल गई।

सदन के बाहर भी हुआ इस बातचीत का जिक्र

सदन के बाहर भी इस पूरे संवाद को लेकर नेताओं ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दी। कई सदस्यों ने कहा कि यह सिर्फ एक सामान्य बातचीत थी, जबकि कुछ ने इसे राजनीति के संकेतों से जोडकर देखा। खासकर इसलिए भी क्योंकि सिंधिया की सक्रियता और उनकी भूमिका प्रदेश की आगामी रणनीति का बडा हिस्सा मानी जा रही है। कमलनाथ की ओर से उनका हाल पूछना भाजपा खेमे में भी चर्चा का विषय बन गया।

प्रदेश की राजनीति में सिंधिया का प्रभाव

इस वाकये के पीछे प्रदेश की मौजूदा राजनीति की बड़ी तस्वीर भी छिपी है। 2020 में कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल होने के बाद सिंधिया प्रदेश की सत्ता समीकरणों में अहम चेहरा बन चुके हैं। कांग्रेस लगातार उन्हें कई मुद्दों पर निशाना बनाती है, जबकि भाजपा उन्हें अपनी बड़ी ताकत के रूप में देखती है। ऐसे में विधानसभा में हुई यह छोटी सी बातचीत एक बार फिर दिखाती है कि सिंधिया अभी भी दोनों दलों की राजनीति के केन्द्र में हैं।

सीएम डॉ. यादव से ईईपीसी इंडिया अध्यक्ष चड्ढा ने कई मुद्दों पर बात की

ईईपीसी इंडिया अध्यक्ष पंकज चड्ढा, क्षेत्रीय निदेशक (जल संसाधन) सीएच नादिगर ने मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। उन्होंने डॉ. यादव से कई मुद्दों पर बात की। इस मौके पर प्रदेश के मंत्री एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप, प्रबंध निदेशक एमपीआईडीसी आईएएस चंद्रमौली शुक्ला भी मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पूर्व मंत्री मलैया की कुशल क्षेम जानी

भोपाल सांध्यप्रकाश। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को पूर्व मंत्री जयन्त मलैया के निवास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने श्री मलैया के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न विषयों पर श्री मलैया से चर्चा भी की।

एमपी ट्रांसको के सब स्टेशनों में रात्रिकालीन निरीक्षण की पहल से बढ़ी सजगता

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा सब स्टेशनों की सुरक्षा एवं कार्यप्रणाली में सुधार के लिये शुरू की गई रात्रिकालीन औचक निरीक्षण की पहल लगातार सकारात्मक परिणाम दे रही है। इन निरीक्षणों के बाद सब स्टेशनों पर तैनात आउटसोर्स कर्मचारियों में कार्य के प्रति सजगता और अनुशासन का स्तर बढ़ा है, वहीं लापरवाही के मामलों में भी उल्लेखनीय कमी आई है। इस पहल से न केवल सुरक्षा में मजबूती आई है, बल्कि यार्ड संचालन एवं कार्य दक्षता में भी सुधार देखा गया है।

रात्रिकालीन औचक निरीक्षण की यह परंपरा पूर्व मुख्य अभियंता श्री प्रवीण गार्गव के कार्यकाल में प्रारंभ की गई थी। उस समय सब स्टेशनों के ट्रांसफॉर्मरों के न्यूट्रल से जुड़े अत्यंत संवेदनशील एवं बहुमूल्य तांबे की स्ट्रिप एवं आईसोलेटर के कापर ब्लेड चोरी की घटनाएँ सामने आती थीं। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल अब तक प्रभावी सिद्ध हुई है। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक अधिकारी को सब स्टेशन का फोटो व वीडियो प्रमाण सहित निरीक्षण विवरण विभागीय व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा किये जा रहें है, जिससे सम्पूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है।

वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को 50.60 करोड़ का शुद्ध लाभ, 32 प्रतिशत लाभांश का प्रस्ताव

भोपाल। मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन की 21वीं साधारण सभा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी, कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक श्री अनुराग वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभा में वर्ष 2023-24 की वित्तीय स्थिति, विभागीय उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साधारण सभा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कॉरपोरेशन ने 50 करोड़ 60 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। अधिकारियों ने लाभ की अन्य संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। खाद्य मंत्री श्री राजपूत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई साधारण सभा में वर्ष 2023-24 के लिए अंशधारकों को 32 प्रतिशत की दर से कुल 2 करोड़ 57 लाख रुपए का लाभांश दिए जाने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिला और इसे अनुमोदन हेतु आगे बढ़ाया गया। वर्ष 2023-24 में कॉरपोरेशन की 300 शाखाएँ कार्यरत रहीं। इस अवधि में औसत 225.11 लाख मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता का संचालन किया गया।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलनाथ, अंगारेश्वर मंदिर व सांदीपनि आश्रम का निरीक्षण किया।भात पूजन व दर्शन के लिए अलग व्यवस्थाओं सहित पार्किंग, वेटिंग हॉल व अन्य सुविधाओं के निर्देश दिए।

एमसीयू में 'भारत की भारतीय अवधारणा' पर युवा संवाद

भारत सत्ता से नहीं, समाज से एक राष्ट्र रहा है: डॉ. वैद्य

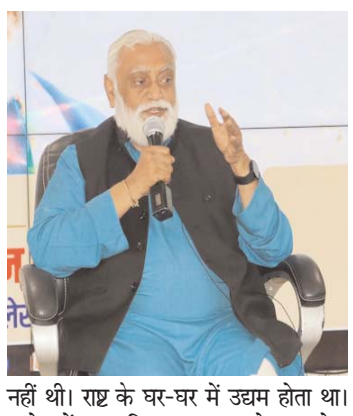

भोपाल सांध्यप्रकाश। सुपरिचित चिंतक डॉ. मनमोहन वैद्य ने भारत की भारतीय अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा है कि राष्ट्र का अर्थ नेशन नहीं है। भारत में एक राजा और एक भाषा नहीं थी किंतु उत्तर से दक्षिण तक समाज अध्यात्म और संस्कृति के मूल्यों से एकरूप रहा है। इसने ही सनातन राष्ट्र का निर्माण किया। यह समाज राज्याश्रित नहीं था और स्वदेशी समाज था। डॉ. वैद्य माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय में आयोजित युवा संवाद को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन विद्यार्थियों के अध्ययन मंडल व पत्रकारिता विभाग ने संयुक्त रूप से किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। डॉ. वैद्य की इस सिलसिले में हाल में एक पुस्तक 'हम और यह विश्व' प्रकाशित हुई थी जिसका पिछले दिनों ही राजधानी में लोकार्पण हुआ था। डॉ. वैद्य ने कहा कि भारतीय समाज पूरी तरह आत्मनिर्भर था और यह आयात नहीं, निर्यात करता था। विश्व के व्यापार में हमारी लगभग दो तिहाई भागीदारी थी जितनी ब्रिटेन व अमेरिका की मिलाकर भी नहीं थी। राष्ट्र के घर-घर में उद्यम होता था। उद्योग में मातृशक्ति का अद्भुद योगदान होता था। हमारे घर संपदा निर्माण के केन्द्र थे। इसी वजह से गृहिणी को गृहलक्ष्मी कहा गया है। आपने कहा कि उत्पादन में प्रचुरता, वितरण में समानता और उपभोग में संयम-यही भारत का विचार है। डॉ. वैद्य ने कहा कि भारत में सांस्कृतिक विविधता नहीं थी अपितु एक ही संस्कृति विविध रूपों में प्रकट होती है। आध्यात्मिकता ने भारत के विचार को गढ़ा है। हमने विश्व कल्याण की बात की है। उन्होंने पराभूत मानसिकता को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 2014 के बाद से भारत की बात को फिर से दुनिया में सुना जा रहा है। द संडे गार्जियन ने अपने संपादकीय में लिखा था कि भारत फिर से स्वाधीन हुआ है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि धर्म भारतीय अवधारणा है जिसका कोई अंग्रेजी पर्याय नहीं है।

भारत में धर्म का व्यापक अर्थ रहा है। समाज के उपकार के लिए उसको लौटाना धर्म माना गया। भारत धर्म पर चला। लोकसभा से लेकर हमारी तमाम बड़ी संस्थाओं के बोधवाक्य को धर्म से लिया गया। तिरंगे के बीच अशोक चक्र वास्तव में धर्मचक्र है जिसका प्रवर्तन राजा अशोक ने किया। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय शब्द नहीं है। यह शब्द ईसाईयत के सत्ता में हस्तक्षेप के बाद सरकारों का चरित्र तय करने के लिए पश्चिम का गढ़ा गया शब्द है। 1976 में बिना किसी बहस के इसे भारतीय संविधान में शामिल कर लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य को धर्म से ऊपर उठकर काम करना चाहिए, व्यक्ति धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। इस अवसर पर कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भारत क्या है और इसे समझने के लिए हमारी दृष्टि क्या होनी चाहिए, यह डॉ. मनमोहन वैद्य के चिंतन व लेखन से स्पष्ट होता है। पत्रकारिता दुनिया को 360 डिग्री से देखने की कला है। यह दृष्टिकोण पत्रकारिता विश्वविद्यालय देता है। उन्होंने हम और यह विश्व की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें अल्लामा इकबाल के हम बुलबुले हैं इसको लेकर सर्वथा नया दृष्टिकोण दिया गया है। डॉ. वैद्य ने इसे आगे बढ़ाते हुए कहा कि बुलबुले बाग में संकट आने पर उड़ जाती हैं, पौधे जल जाते हैं किंतु बाग से डिगते नहीं हैं। हम सब इस बाग के पौधे हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्र राजवर्धन सिंह ने किया।

मध्यप्रदेश में 97 प्रतिशत से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूरा

भोपाल सांध्यप्रकाश। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से जारी है।अभी तक मध्यप्रदेश में लगभग 5करोड़ 57लाख गणना पत्रकों का डिजीटाइजेशन पूरा हो चुका है। जो कुल कार्य का 97 प्रतिशत से अधिक है।15 जिलों अशोक नगर,नीमच, बैतूल, गुना,मंडला, डिंडोरी, शाजापुर, सीहोर, सीधी, उमरिया, बुरहानपुर, मंदसौर,सतना, टीकमगढ़ और अलिराजपुर में शत-प्रतिशत डिजीटाइजेशन का काम हो चुका है। श्री झा ने सभी शासकीय सेवकों और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि से पूर्व यह उपलब्धि सभी के प्रयास और कर्तव्य निष्ठा से ही संभव हुई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि प्रदेश के 19अन्य जिलों ने 99प्रतिशत से अधिक, 12जिलों में 98त्नऔर 6जिलों मे90त्नसे अधिक कार्य पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

संपादकीय

रुपये का इतना गिरना

कभी ये बयान भी आते रहे हैं कि रुपया गिरता है तो देश की इज्जत गिर जाती है, लेकिन अब मायने बदलते दिख रहे हैं। रुपया लगातार डालर के मुकाबले गिरता जा रहा है, लेकिन कोई खास प्रतिक्रिया देखने-सुनने को नहीं मिल रही है। हां, निवेशकों में अवश्य घबराहट देखी जा रही है।

रुपया आज यानी 4 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। खबरों के अनुसार आज डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे गिरकर 90.43 के स्तर पर आ गया है। कल यानी 3 दिसंबर को ये 90.15 के स्तर पर बंद हुआ था। विशेषज्ञ बताते हैं कि लगातार विदेशी फंड्स की निकासी ने रुपए पर दबाव बनाया है। 2025 में रुपया अब तक 5.5 प्रतिशत कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 90.41 रुपए पर पहुंच गया है।

रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का आयात करना महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो जाएगा। एक रुपये की कीमत डालर के मुकाबले नगण्य जैसी हो गई है। जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी, तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 90.21 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे छात्रों के लिए फीस से लेकर रहना-खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के साथ ही विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार निकासी की जा रही है, जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार में भारी दबाव और प्रॉफिट बुकिंग का माहौल है। विशेषज्ञों का तो यही मानना है कि सेबी के नियमों में बदलाव से बैंकिंग शेयरों में गिरावट आई है और निवेशक अब रक्षात्मक रवैया अपना रहे हैं। फिलहाल, बाज़ार की नजरें 5 दिसंबर 2025 को होने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों पर टिकी हैं, जिसके चलते ट्रेडर्स बड़े दांव लगाने के बजाय सतर्कता बरत रहे हैं।

इसके अलावा बाजार और निवेशकों की नजर 5 दिसंबर 2025 को भारतीय रिजर्व बैंक यानि आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक पर होगी जहां विश्लेषक मुद्रास्फीति, विकास और ब्याज दरों में कटौती की संभावना पर नजर रखी हुई है। वैश्विक स्तर पर भी अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े साथ ही दिसंबर में ही फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले और विदेशी निवेश पर उसके प्रभाव का असर बाजार पर देखने को मिल सकता है।

असल में, भारतीय बाज़ार पूरे सेशन में बिकवाली के दबाव में रहे हैं, सतर्क ट्रेडर्स ने प्रॉफिट बुक किया क्योंकि रुपये में लगातार कमजोरी बनी रही। मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जिसने बाजार के सेंटिमेंट पर असर डाला। करेंसी में गिरावट ने रिस्क लेने की क्षमता को कम कर दिया और इन्वेस्टर्स को डिफेंसिव बना दिया, जिससे सभी सेक्टर्स में अधिक सावधानी वाला नजरिया अपनाया गया।

मेटल और गोल्ड की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों ने आयात का बिल बढ़ा दिया है। अमेरिका के ऊंचे टैरिफ से भारतीय निर्यात की कॉम्पिटिटिवनेस को चोट लगी है। एक तथ्य यह भी सामने आ रहा है कि आरबीआई का हस्तक्षेप भी इस बार काफी कम रहा है, जिससे गिरावट और तेज हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया हैं, जो भारत की जीडीपी ग्रोथ को 60-80 बेसिस पॉइंट्स गिरा सकता है और फिस्कल डेफिसिट बढ़ा सकता है। इससे निर्यात घट सकता है। विदेशी मुद्रा की आमद कम होती है। इस वजह से रुपया दबाव में है। तेल और सोने की कंपनियां हेजिंग के लिए डॉलर खरीद रही हैं। अन्य आयातक भी टैरिफ अनिश्चितता के कारण डॉलर स्टॉक कर रहे हैं। इससे रुपए पर लगातार दबाव बना हुआ है।

अब निवेशकों की नजर 5 दिसंबर को घोषित होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की पॉलिसी पर है। जहां 25 आधार अंक के रेट कट का इंतजार निवेशकों और बाजार द्वारा किया जा रहा है, जो कि बाजार के सेंटिमेंट को बढ़ावा दे सकता है। लेकिन रुपया जिस तरह से गिरता जा रहा है और जिस तरह से उसे सम्हालने की कोशिशें भी नहीं हो रही हैं, उसे देखते हुए स्थिति गंभीर दिखाई दे रही है। सरकार को अपनी आर्थिक नीतियों में कुछ बदलाव करना आवश्यक प्रतीत हो रहा है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमाः भगवान दत्तात्रेय जयंती

त्रिदेवों का स्वरूप और संतुलित जीवन का संदेश : प्रकृति और प्रत्येक प्राणी के स्वभाव से सीख लेने का अद्भुत संदेश

रमेश शर्मा

भगवान दत्तात्रेय एक मात्र ऐसे अवतार हैं जिन्हें ब्रह्मा विष्णु और शिव की संयुक्त ऊर्जा का स्वरूप माना गया है। वे श्रीविद्या के अविष्कारक हैं। जीवन की शांत संतुलित शैली और प्रकृति के सभी स्वरूपों एवं जीवों से सीख लेने का संदेश उन्हीं ने दिया। चौबीस अवतारों में उनका क्रम छठवाँ और उनके चौबीस गुरु होने का वर्णन भी पुराणों में है।

भगवान दत्तात्रेयजी के संसार में अवतार लेने की तिथि मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा है जो इस वर्ष चार दिसंबर को पड़ रही है। अवतार परंपरा के दशावतार गणना में भगवान दत्तात्रेय का नाम नहीं है। लेकिन चौबीस अवतार क्रम में उनका अवतार छठवें क्रम पर माना जाता है।

भारतीय वाड्मय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ जीवन को आदर्श बनाने एवं प्रकृति से सीख समन्वय बनाने का संदेश दोनों प्रकार से है। ईश्वर ने स्वर से भी संदेश दिया और अवतार लेकर संसार के अन्य प्राणियों की भाँति जीवन जीकर भी समझाया। वेदों और गीता को अपौरुषेय माना गया है। उनके संदेश कालजयी हैं। तो पुराण कथाओं में ईश्वर के अवतार और उनके द्वारा सामान्य मनुष्य की भाँति जीवन जीकर आदर्श शैली का संदेश भी दिया है। पुराण कथाओं में वर्णित भगवान दत्तात्रेय का जीवनगाथा भी ऐसी ही है। मनुष्य जीवन की सार्थकता संतुलित और शांत जीवन में है। सीखने और समझने की कोई आयु नहीं होती। जीवन का प्रत्येक पल सिखाता है। प्रकृति एवं प्रकृति के सभी प्राणियों में कोई न कोई ऐसी विशेषता होती है जिसे समझकर मनुष्य अपना जीवन और उन्नत बना सकता है। यही संदेश भगवान दत्तात्रेय के अवतार का है। उनके तीन मुख हैं जिन्हें त्रिदेवों का प्रतीक माना गया है। एक मुख ब्रह्माजी का प्रतीक जो सृष्टि के निर्माणकर्ता हैं, दूसरा मुख भगवान विष्णु का प्रतीक जो सृष्टि के पालनहार हैं और तीसरा मुख भगवान शिव का प्रतीक जो जो सृष्टि के समापन के प्रतीक हैं। भगवान दत्तात्रेय जी को इन शक्तियों का ऊर्जा अंश माना गया है। उनके स्वरूप में तीन शिश के साथ छै हाथ भी हैं। इन हाथों में भी त्रिदेव के चिन्ह हैं। एक हाथ में माला, एक में कमंडल ब्रह्मा जी की प्रतीक, एक हाथों में शंख, एक हाथ में चक्र भगवान विष्णु के प्रतीक और एक हाथ में त्रिशूल भगवान शिव का प्रतीक है। इनके अतिरिक्त एक हाथ संसार को आशीर्वाद देते हुये है। इस अवतार में उनके पिता महर्षि अत्रि और माता अनुसूइया हैं। उनकी पत्नि का नाम देवी अनघा हैं। देवी अनघा भी त्रिदेवियों अर्थात लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की संयुक्त ऊर्जा स्वरूप मानी जाती हैं। भगवान दत्तात्रेय के शिष्यों में भगवान परशुराम, महा प्रतापी सहस्त्रार्जुन और भक्त प्रह्लाद भी हैं। भगवान दत्तात्रेय का प्रसंग लगभग सभी पुराणों में है। नारायण के लगभग सभी अवतारों द्वारा उनकी पूजन का भी वर्णन है। इनमें भगवान परशुराम जी, भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण जी भी है। ऋषि परंपरा में भी लगभग सभी ऋषियों द्वारा उनकी उपासना के मंत्र विभिन्न पुराणों में मिलते हैं। इसी क्रम में आदि शंकराचार्य जी द्वारा उनकी आराधना का मंत्र भी है। आधुनिक समाज जीवन में यही मंत्र प्रचलित है-

÷आदौ ब्रह्मा मध्ये विष्णुरन्ते देवः सदाशिवः
मूर्तित्रयस्वरूपाय दत्तात्रेयाय नमोस्तु ते।
ब्रह्मज्ञानमयी मुद्रा वस्त्रे चाकाशभूतले
प्रज्ञानघनबोधाय दत्तात्रेयाय नमोस्तु ते।।÷

अर्थात ÷जो आदि में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु तथा अन्त में सदाशिव है, उन भगवान दत्तात्रेय को बारम्बार नमस्कार है। ब्रह्मज्ञान जिनकी मुद्रा है, आकाश और भूतल जिनके वस्त्र है तथा जो साकार प्रज्ञानघन स्वरूप है, उन भगवान दत्तात्रेय को बारम्बार नमस्कार है।÷

दत्तात्रेयजी की जन्मकथा में माता की सतीत्व शक्ति का संदेश

पुराणों में भगवान दत्तात्रेय के जन्म की कथा सामान्य नहीं है। इसमें माता के सतीत्व शक्ति का अद्भुत संदेश है। पुराण कथाओं के अनुसार नारद जी के कहने पर त्रिदेव देवी अनुसूइया की परीक्षा लेने पहुँचे। उन्होंने माता का संबोधन तो दिया लेकिन कहा हमें माता के दुग्ध अमृत का पान करना है। देवी ने पलभर विचार किया और अपनी सतीत्व शक्ति से तीनों को शिशु बना दिया और फिर दुग्ध पान कराया। वे तीनों शिशु आगे चलकर भगवान दत्तात्रेय, चन्द्रमा और महर्षि दुर्वासा बने। यह माता अनुसूइया द्वारा संस्कार और शिक्षा से इन तीनों शिशुओं का पालन है कि पुराण कथाओं में तीनों की अपनी अपनी गाथाएँ हैं। भगवान दत्तात्रेय की इस जन्म कथा में माता की आंतरिक ऊर्जा, सत्य के सामर्थ्य और मातृत्व की अनंत क्षमता का चित्रण है। माता के सत्य और लक्ष्य की एकाग्रता से ही संतान यशस्वी बनती है। माता के रूप में नारी की आंतरिक और अलौकिक सामर्थ्य की केवल यही एक कथा नहीं है। पुराण कथाओं में ऐसे अनेक प्रसंगों का तवर्णन है। इनमें वृदा द्वारा नारायण को पाषाण बनाने और सावित्री द्वारा मृत्यु के देवता यम को पराजित करने की कथाएँ भी हैं।

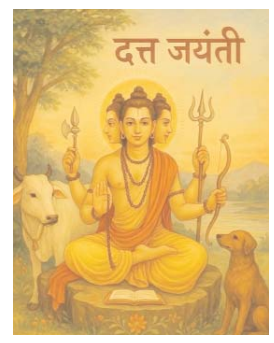

यही संदेश देवी अनुसूइया और भगवान दत्तात्रेय की जन्म कथा में है। देवी अनुइया अध्ययन और ज्ञान में भी विलक्षण थीं। आगे चलकर रामजी के वनवास काल में उन्होंने ही एकाग्रता की यही सीख माता सीता को दी थी। इसका वर्णन बाल्मीकि रामायण में भी है और बाबा तुलसी के रामचरितमानस में भी है। इन तीनों बालकों को शिक्षा और संस्कार देने का कार्य देवी अनुसूइया ने ही किया। नारदजी के परामर्श से उन्होंने दत्तात्रेय जी को त्रिदेवों के प्रतीक त्रिगुणों अर्थात सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण के समन्वय की सीखा दी। नारद जी सुझाव पर ही उनका नाम दत्तात्रेय रखा गया। इस नाम का भी अपना विशिष्ट अर्थ है। दत्त शब्द का अर्थ दान करना या प्रदान करना होता है। जब इसमें ÷आकार÷ के साथ त्रेय शब्द की संधि होती है तब शब्द ÷दत्तात्रेय÷ बनता है। तब इसका अर्थ हुआ ÷त्रितरंग दाता÷ ये तरंगे तीनों प्रकार के पुरुषार्थ की होती हैं।

शांत समन्वय जीवन और चौबीस गुरु होने का संदेश

भारतीय पुराणों वर्णित सभी अवतारों और विलक्षण विभूतियों में केवल भगवान दत्तात्रेय अवतार ऐसा है जिन्होंने कभी कोप या रोष की अभिव्यक्ति कभी नहीं की। सदैव शाँत रहे। लेकिन यह शाँति शक्ति और सामर्थ्य के साथ रही। उनके हाथ में त्रिशूल और चक्र यदि शक्ति का प्रतीक है तो शंख उनकी आभा का। अपने व्यक्तित्व का अहंकार न हो, लेकिन अस्तित्व रक्षा के लिये शक्ति और सामर्थ्य भी आवश्यक है। त्रिदेवों के संयुक्त स्वरूप का संदेश भी समाज के सभी समूहों से समन्वय बनाकर चलने में है। ठीक इसी प्रकार का संदेश उनके चौबीस गुरूओं में है। उनके गुरु समूह में धरती, आकाश,अग्नि जल और वायु से लेकर जलचर, नभचर और धरती पर विचरण करने वाले प्राणी भी प्रतीक रूप में है। पृथ्वी से सहनशीलता और धैर्य, जल से निर्मलता और शांति, वायु से अनासक्ति, अग्नि से पवित्रता और समदृष्टि, आकाश से व्यापकता, सूर्य से संस्त्र को प्रकाशमान करना अर्थात ज्ञान से प्रकाशित करना। चंद्रमा से मन को सदैव शीतल रखना, समुद्र से महानता और गहराई, अजगर से संतोष और निष्क्रियता, कबूतर से सावधानी, पतंग सदैव लोभ और आकर्षण में अपने प्राण खोता है, इसलिये आकर्षण से दूर रहना, मछली से इच्छाओं का नियमन, हिरण से एकाग्रता, हाथी से विशालता और परिवार समन्वय, मधुमक्खी से रस और ज्ञान की खोज लेकिन दाता को भी लाभ हो, मधुमख्खी के पराग रसपान से पुष्प में सुगंध बढ़ती है। नाग से एकांत जीवन,

वस्तुतः भगवान दत्तात्रेय में त्रिदेवों का अंश माना गया है। उनकी केन्द्रीभूत चेतना देवी अनघा हैं। तब उन्हें किसी वाह्य प्रतीक से सीखने और समझने की आवश्यकता नहीं है। वे स्वयं पूर्ण हैं फिर भी यदि उन्होंने चौबीस गुरु बनाने की लीला की है, प्रेरणा दी है यह केवल संसार को संदेश देने के लिये है। जीवन की सार्थकता केवल अपने विचार तक सीमित होने में नहीं है। सृष्टि का सिद्धांत शून्य से सृष्टि की व्यापक यात्रा में है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति सतत सीखने समझने और सामर्थ्य वृद्धि के अभियान में रहे। भगवान दत्तात्रेय के चौबीस गुरु होने की कथा में दोनों संदेश हैं। एक तो सतत सीखने का और दूसरा एक से अधिक गुरू बनाकर सीखने का। एक से अधिक गुरू बनाने का यह प्रसंग अकेला नहीं है। भगवान परशुराम जी के भी सात गुरू थे। उनमें एक गुरु भगवान दत्तात्रेय जी भी थे।

कब होगी शराबबंदी, युवा हुआ प्रौढ़ ,महिला हुई विधवा, बच्चे होते अनाथ, टूटते परिवार, बिखरता देश

न्यायपालिका, कार्यपालिका, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे हो बहाल

सुशील कुमार जैन

दुनिया में कुवैत, लीबिया और सोमालिया ऐसे प्रमुख देश हैं जहाँ शराबबंदी लागू है। भारत में गुजरात, बिहार, नागालैंड, मिजोरम तथा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के कुछ हिस्से शराबबंदी के लिए प्रसिद्ध हैं। शराब के समाज पर दुष्परिणामों को देखते हुए इसको संपूर्ण देश पर ही प्रतिबंध किया जाना चाहिए, जिससे कि देश की युवा शक्ति को बचाया जा सके ! शराब बिक्री से सरकार को टैक्स मिलता है, लेकिन इसका सामाजिक-आर्थिक नुकसान कहीं गुना अधिक है, देश में जनसंख्या वृद्धि के बाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या विभिन्न उम्र एवं विभिन्न सामाजिक स्तर के लोगों का आज शराब के नशे का आदि होना बन रहा है !

भारत में शराब का सेवन केवल एक व्यक्तिगत आदत या मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह एक ऐसी सामाजिक समस्या है ! जिसने देश के लगभग हर वर्ग को किसी न किसी रूप में प्रभावित किया है। आर्थिक बोझ, स्वास्थ्य संकट, पारिवारिक टूटन, अपराध वृद्धि, सड़क दुर्घटनाएँ और सामाजिक असमानताएँ—इन सभी के केंद्र में शराब एक प्रमुख कारक के रूप में उभरती है।

शराब परिवार को सबसे गहराई से प्रभावित करती है। घरेलू हिंसा में वृद्धि, नशे की स्थिति में व्यक्ति अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खो देता है, जिससे पत्नी, बच्चों और वृद्ध माता-पिता पर अत्याचार बढ़ते हैं।आर्थिक असुरक्षा,आय का बड़ा हिस्साा शराब पर खर्च होने से घर का बजट बिगड़ जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन जैसी अनिवार्य ज़रूरतें प्रभावित होती हैं।संवाद और विश्वास का क्षय,शराब के कारण परिवारों में संवाद कम होता है, और मनमुटाव व अविश्वास बढ़ते हैं।

शराबी पति होने पर महिलाएँ शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हिंसा का सामना करती हैं। कई मामलों में उन्हें परिवार चलाने के लिए अतिरिक्त काम का भार उठाना पड़ता है। ऐसे घरों में पले-बढ़े बच्चे असुरक्षा, डर और भावनात्मक उपेक्षा का अनुभव करते हैं।

बच्चों के स्कूल ड्रॉपआउट की संभावना बढ़ जाती है। घर में तनाव के कारण अवसाद व व्यवहारिक समस्याएँ विकसित हो सकती हैं।कुछ बच्चे बड़े होकर नशे की प्रवृत्ति अपनाते हैं, जिससे गरीबी और हिंसा की चक्रवृत्ति आगे बढ़ती है।

युवा वर्ग शराब कंपनियों और सोशल मीडिया के विज्ञापनों के सबसे बड़े लक्ष्य होते हैं। युवाओं के जीवन के प्रारंभिक चरण में ग़लत आदतों का विकास होने के कारण यकृत रोग, हृदय रोग, अवसाद, मानसिक विकार हो जाता हैं ! नशे के कारण युवाओं मे अनुशासनहीनता, नौकरी का नुकसान, अध्ययन में गिरावट आती हैं। युवाओं मे शराब का चलन झगड़े, सड़क दुर्घटनाएँ, यौन अपराध आदि अपराधों का महत्वपूर्ण कारक है !

श्रमिक और निम्न आय वर्ग दैनिक आय का बड़ा हिस्सा शराब में खर्च हो जाने से परिवारों में गरीबी स्थायी रूप से जड़ जमा लेती है।

इन वर्गों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएँ कम मिलती हैं, जिससे शराब के कारण उत्पन्न रोग जल्दी गंभीर रूप ले लेते हैं। नशे की आदत श्रमिकों की कार्यक्षमता घटाती है, जिससे नौकरी अस्थिर हो जाती है।

तनाव प्रबंधन के नाम पर शराब का अति-सेवन आज आम बात है, पार्टियों, प्रतिष्ठा और दिखावटी जीवनशैली में शराब का अनिवार्य रूप से शामिल होना भी शराब को बढ़ावा देना है। विशेषकर शहरी परिवारों में शराब भावनात्मक खालीपन छिपाने का एक साधन बन जाती है।

देखा जाए तो शराब की वजह से समाज के वैसे वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं जिनके पास संसाधन कम होते है विधवा, परित्यक्ता और अकेली महिलाओ को पति की शराबखोरी से आर्थिक व सामाजिक उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है ! शराबी व्यक्ति परिवारजन विकलांग और वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा, हिंसा या आर्थिक संकट में डाल देते हैं। कई बार यह भी देखा गया कि अभिभावकों की शराबखोरी के कारण गरीब बच्चे को कुपोषण, अशिक्षा और बालश्रम का दंश झेलते हैं।

भारत में शराब से यकृत सिरोसिस, हृदय रोग, मानसिक अवसाद,कैंसर के कई प्रकार,दुर्घटनाओं और हिंसा से होने वाली चोटें संबंधित बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, इन सब से अस्पतालों पर आर्थिक और मानव संसाधन का भारी बोझ पड़ता है। शराब पीकर गाड़ी चलाना भारत में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। हर वर्ष हज़ारों लोगों की जान जाती है।अनगिनत परिवार अपंगता, गरीबी और मनोवैज्ञानिक सदमे की मार झेलते हैं। पुलिस व न्याय व्यवस्था पर अतिरिक्त भार बढ़ता है।

इस प्रकार नशे के कारण स्वास्थ्य, पुनर्वास, विधवा पेंशन, दुर्घटना सहायता और सामाजिक न्याय विभाग की कल्याणकारी योजनाओं पर अतिरिक्त भार बढ़ता है।

अब शराब के दुष्प्रभावों से समाज को बचाने के लिए हमे जगह जगह जन-जागरूकता अभियान, स्कूलों और कॉलेजों में नशामुक्ति शिक्षा,व्यसनी लोगों के लिए सरकारी पुनर्वास केंद्रों का विस्तार, ड्रिंक एंड ड्राइव, अवैध शराब, ओवर-सेल पर कड़ी कानूनी कार्रवाई,परिवारों के लिए काउंसलिंग और सहायता, महिलाओं और बच्चों के संरक्षण के लिए मजबूत नीतियाँ,समाज में संयम, स्वास्थ्य और संतुलित जीवन की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा !

हाथ पर हाथ धरकर बैठने से कम नहीं होगा प्रदूषण

दिल्ली ने बीते पूरे माह घुट-घुटकर सांस ली है। नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर। महज तीन दिनों के लिए AQI 300 के नीचे आया, और वह भी हवाओं की बदौलत। ये आंकड़े देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का हाल बयान कर देते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण हो जाता है।

स्पष्ट योजनाः शीर्ष अदालत ने CAQM और ह्ष्ट्रक्रकी स्टेट अथॉरिटीज को प्रदूषण से निपटने के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है, जिस पर अमल किया जा सके। अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता और समाधान विशेषज्ञों की तरफ से आना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में हर साल दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सर्दियों में हालात बद से ++ बदतर हो जाते हैं। लेकिन, इस बार तो राहत का कोई दिन मिला ही नहीं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पराली पर भी नहीं डाला जा सकता। और सबसे बड़ी बात है कि दोष इस सीजन दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा 5% से भी कम रहा है। सरकार ने संसद में सोमवार को ही जानकारी दी कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 2022 की तुलना में 90% की कमी आई है।

खासकर दिल्ली-एनसीआर के केस में पराली जलाने को हमेशा से एक बड़ी समस्या के रूप में पेश किया गया है। लेकिन, स्न्न्रक्रऔर IIT दिल्ली ने 2018 में जो इन्वेंट्री रिपोर्ट तैयार की थी, उसके मुताबिक राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह वाहन हैं। स्न्न्रक्रके मुताबिक, PM2.5 के लिए 41% ट्रांसपोर्ट और 21% धूल जिम्मेदार है, जो ज्यादातर कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ती है। हालांकि यह रिपोर्ट भी पुरानी पड़ चुकी है, और एक्सपर्ट्स का कहना है कि नई स्टडी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि पराली तो कवि के समय भी जलाई जा रही थी पर तब आसमान साफ और नीला था, और इस मुद्दे को राजनीति या अहं की लड़ाई न बनाएं। सरकारों के लिए संदेश है कि दोषारोपण के बजाय मिलकर काम करने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक की पिछले साल की एक रिपोर्ट चेताती है कि भारत की पूरी आबादी वायु प्रदूषण के खतरे में है। इसकी वजह से देश की GDP के 3% के बराबर नुकसान हा है। इससे लड़ने के लिए प्रभावी उपाय चाहिए, और वह भी पूरे देश में।

रूस और भारत का एक दांव जो कर सकता है ट्रम्प को चित्त

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

पुतिन की भारत यात्रा पर दुनिया भर की नजरें है। इस यात्रा में भारत और रूस की बीच व्यापारिक और सामरिक समझौते भी होंगे। लेकिन मान लीजिये दोनों देशों के बीच यह समझौते अमेरिकी डॉलर में न होकर रूसी रूबल,भारतीय रुपया या युआ में हो जाएं,तो फिर क्या होगा। दरअसल अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प इस संभावना को लेकर चिंतित बताए जाते हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के बीच भविष्य में ऐसे आर्थिक समझौते हो सकते हैं,जिनमें अमेरिकी डॉलर को दरकिनार कर दिया जाएं। यह आशंका इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर पश्चिमी प्रतिबंध सख्त हुए,जिसके चलते रूस ने कई देशों के साथ डॉलर-रहित व्यापार मॉडल अपनाने की कोशिश तेज की है।

भारत और रूस के बीच ऊर्जा,रक्षा और व्यापारिक सहयोग पहले से मजबूत है। दोनों देश कई बार स्थानीय मुद्रा में व्यापार पर चर्चा कर चुके हैं। यदि यह व्यवस्था व्यापक रूप लेती है तो यह अमेरिकी आर्थिक प्रभाव के लिए चुनौती मानी जाएगी,क्योंकि डॉलर की वैश्विक पकड़ अमेरिकी शक्ति की आधारशिला है। ट्रम्प की चिंता का कि यदि भारत जैसा दुनिया का सबसे ब?ा लोकतांत्रिक देश और रूस जैसे ऊर्जा-संपन्न राष्ट साझा रूप से डॉलर के विकल्प की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे दीर्घकाल में अमेरिकी प्रभुत्व कमजोर हो सकता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के सत्ताईसवें राष्टपति विलियम हॉवर्ड टैफ्ट ने करीब एक सौ दस साल पहले डॉलर कूटनीति का आगाज करते हुए कहा था इस नीति को गोलियों की जगह डॉलर का इस्तेमाल करने के रूप में वर्णित किया गया है। यह नीति आदर्शवादी मानवीय भावनाओं,ठोस नीति और रणनीति के निर्देशों और वैध वाणिज्यिक उद्देश्यों दोनों को समान रूप से आकर्षित करती है। टैफ्ट की यहीं डॉलर कूटनीति बाद में दुनिया भर में अमेरिकी कॉर्पोरेट हितों का रक्षा कवच बन गई।

आज दुनिया की अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार,वित्तीय लेन-देन और विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली मुद्रा है। वैश्विक तेल व्यापार से लेकर अंतरराष्ट्रीय ऋण तक,अधिकांश सौदे डॉलर में ही तय होते हैं। डॉलर की स्थिरता,अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार,विश्वसनीय वित्तीय संस्थाएँ और अमेरिकी सैन्य,राजनीतिक प्रभाव जैसे सभी कारण इसे विश्व रिज़र्व मुद्रा बनाते हैं।

इस समय ट्रम्प के तेवर भारत और रूस को लेकर बेहद सख्त है। वहीं न तो पुतिन समझौते के मूड में है और न ही प्रधानमंत्री मोदी ट्रम्प को लेकर सहज है। कई देशों ने अमेरिकी प्रतिबंधों और डॉलर-निर्भर वैश्विक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। इसका विकल्प यूरो,चीनी युआन और स्थानीय मुद्राएँ मानी जा रही हैं। ब्रिक्स समूह भी एक साझा मुद्रा पर विचार कर रहा है जिससे व्यापार में डॉलर पर निर्भरता कम हो सके। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच चीन अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी मुद्रा को अधिक बढ़ावा देना चाहता है और लैटिन अमेरिकी मुल्कों का उसके साथ युआन में व्यापार करना इसी की झलक है। बीते एक दशक में लैटिन अमेरिका के कुछ मुल्कों के साथ अपने व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने और कुछ को आर्थिक मदद देने के बाद से चीन की कोशिश रही है कि यहां उसकी मुद्रा का इस्तेमाल बढ़े। चीन लातिन अमेरिका में अपने सबसे बड़े व्यापार सहयोगी ब्राज़ील के साथ ऐसा समझौता भी कर चूका है। चीन की रणनीति है कि उसके सहयोगी देशों में उसकी मुद्रा को आसानी से कन्वर्ट कर सकें और उसका इस्तेमाल बढ़े।

ब्रिक्स के अहम सदस्यों रूस और दक्षिण अफ्रीका से चीन की मजबूत आर्थिक साझेदारी है,वहीं ब्राजील को युआन पर पूर्ण भरोसा है। ब्रिक्स को ब? देशों का व्यापारिक समूह माना जाता है और अभी तक यह विश्व की 41 फीसदी आबादी, 24 फीसदी वैश्विक जीडीपी और 16 फीसदी वैश्विक कारोबार का प्रतिनिधित्व करता आया है। नए सदस्य देशों के शामिल होने से निश्चित ही ब्रिक्स मजबूत हुआ है। मध्यपूर्व और इस्लामिक दुनिया की प्रभावी शक्ति सऊदी अरब और चीन के बीच सुरक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भी सहयोग लगातार ब? रहा है। सऊदी अरब चीन को कच्चे तेल की सबसे अधिक सप्लाई कर रहा है तथा चीन की यह कोशिश है की सऊदी अरब व्यापार के लिए भुगतान की मुद्रा डॉलर की जगह चीनी करेंसी युआन हो।

पुतिन की यात्रा को भारत की विदेश नीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह मॉस्को और वाशिंगटन के बीच संबंधों को संतुलित करती है। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और रूस के साथ दीर्घकालिक,भरोसेमंद संबंधों के लिए उसकी प्रतिबद्धता का एक मजबूत संकेत है। भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने और पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए वैकल्पिक भुगतान समाधानों की खोज करने की प्रतिबद्धता जताई है।

तेल अन्वेषण और आपूर्ति, परमाणु ऊर्जा और हीरे की सीधी बिक्री जैसे प्रमुख सौदों को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। दोनों नेता स्थानीय या तीसरे देशों की मुद्राओं का उपयोग करके रसद और भुगतान तंत्र जैसे संबंधित मुद्दों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यदि भारत और रूस के बीच ऐसा आर्थिक समझौता हो जाए जिसमें अमेरिकी डॉलर के स्थान पर किसी अन्य मुद्रा का उपयोग हो,तो यह अमेरिका की आर्थिक प्रभुता के लिए एक बड़ा संकेत होगा। इससे बा?ार ध?ाम से गिरेगा,अमेरिकी डॉलर की कीमतें गिरेगी और वैश्विक बा?ार में डॉलर की विश्वसनीयता का संकट ब? जायेगा। हालांकि भारत अपनी संतुलित कूटनीति के कारण किसी बड़े डॉलर विरोधी ब्लॉक का हिस्सा नहीं बनता,फिर भी कूटनीति में मनोवैज्ञानिक ब?त हासिल करने के लिए ट्रम्प की नींद तो उ?ाई ही जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

कमलनाथ ने किसानों की स्थिति पर जताई चिंता

कांग्रेसजन ने इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर किया भव्य स्वागत

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का विशेष वायुयान से इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन हुआ। आगमन उपरांत मीडिया से चर्चा में उन्होंने फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने और खाद के लिए किसानों के परेशान होने पर चिंता जताई। इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर उपस्थित मीडिया के साथियों ने प्रश्न किया कि मक्का उपज का लगातार दाम गिर रहा है। किसान खाद के लिए कतार में खड़ा है। प्रत्युत्तर में श्री नाथ ने कहा कि यह बड़े ही दुर्भाग्य का विषय है। अर्थव्यवस्था में 70 फीसदी योगदान कृषि क्षेत्र का है, बावजूद इसके सरकार इस क्षेत्र की अनदेखी कर रही। कृषि आधारित कार्यों से जुड़कर लोग रोजगार भी पाते हैं, किन्तु यह तभी संभव है जब जिले, प्रदेश व देश का किसान सक्षम होगा। किसान सक्षम होगा तभी गांव से लेकर शहर तक के बाजार में रौनक आएगी।श्री नाथ ने आगे कहा कि वर्तमान में किसानों की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि उनकी उपज को उचित दाम नहीं मिल रहा। कांग्रेस आगे भी किसानहित में सतत रूप से आंदोलन करती रहेगी।

पेंच की नहरों का सुदृढीकरण करने की मांग

चौरई , सांध्य प्रकाश। क्षेत्र के जनहित से जुड़े जनसुविधा कार्यों को गति देने के उद्देश्य से भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं.रमेश दुबे ने पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़ के साथ भोपाल में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से सौजन्य भेंट कर विस क्षेत्र में माचागौरा बांध के जलभराव से प्रभावित मार्ग देवरी - केवलारी सांभा पुल व मार्ग निर्माण की मांग रखी। पूर्व विधायक श्री दुबे ने मंत्री जी को विस्तृत रूप से अवगत कराया कि विस क्षेत्र चौरई में विगत 7 वर्ष पूर्व पेंच व्यपवर्तन परियोजना अंतर्गत माचागौरा बांध निर्माण किया गया जिसके जलभराव से आसपास क्षेत्र के गांव, स्थानीय ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों एवं कामकाजी लोगों का मुख्य मार्ग से संपर्क कट गया है लोगों को प्रतिदिन आवागमन में भारी परेशानियों का सामना कर लंबी दूरी तय कर सफर करना पड़ता है इस पुल की मांग लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है पुल बनने से न केवल हजारों लोगों को स्थायी राहत मिलेगी बल्कि क्षेत्र में व्यापार, कृषि तथा अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

किसान मांग रहा अपना अधिकार फिर क्यों चुप है भाजपा सरकार : नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। चौरई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित विशाल किसान बचाओ आंदोलन में जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ जमकर गरजे। चौरई कम्यूनिटी हाल के सामने मेन रोड पर आयोजित इस आंदोलन में चौरई विधानसभा क्षेत्र के हजारों किसानों ने शामिल होकर भाजपा सरकार का खुला विरोध किया। नकुलनाथ ने उपस्थित अपार जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि इसके पहले भी कांग्रेस ने किसान बचाओ आंदोलन किया, तब प्रदेश की गूंगी, बहरी सरकार तक हमारी आवाज पहुंची और उन्होंने खाद की आपूर्ति में सुधार किया। खाद की कालाबाजारी को भाजपा के लोगों ने धंधा बना लिया है, इसीलिये खाद का संकट हो रहा। 2400 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से मक्का खरीदने का वादा भाजपा सरकार ने किया था, मैं पूछता हूं ये भाजपा का वादा था या झांसा। कल छिन्दवाड़ा की कुसमेली मंडी में आंदोलन के दौरान मैंने मंडी में पहुंचकर किसान भाइयों से चर्चा की, उनकी आंखों में आंसू थे, क्योंकि उनकी उपज का मूल्य केवल 1200 से 1400 रुपए क्विंटल दिया जा रहा।

महिला कांग्रेस की ऐतिहासिक यात्रा: इंदौर से भोपाल तक निकली वाहन रैली, रीना बौरासी सेतिया ने संभाला प्रदेश अध्यक्ष का पदभार

भाजपा ने महिलाओं को दिया है धोखा: जीतू पटवारी, महिलाओं के अधिकार के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी: उमंग सिंगार

इंदौर/ भोपाल। सांध्य प्रकाश। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस के इतिहास में पहली बार आज इंदौर से भोपाल तक भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक रैली का नेतृत्व महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री अलका लांबा ने किया। रैली के साथ ही महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुश्री रीना बौरासी सेतिया ने भोपाल पहुंचकर विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया।

इंदौर से भोपाल तक ऐतिहासिक रैली

यह रैली इंदौर के अरबिंदो अस्पताल चौराहा से प्रारंभ होकर सांवेर, तपोभूमि उज्जैन, देवास, सोनकच्छ, आष्टा और सीहोर होते हुए भोपाल पहुँची। हर स्थान पर रैली का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में महिलाएँ और युवा इस रैली के स्वागत के लिए उमड़े। भोपाल पहुंचने पर, भोपाल गैस त्रासदी की बरसी पर सभी कार्यकर्ताओं ने मोमबत्ती जलाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रीना बौरासी सेतिया का संबोधन

पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए सुश्री रीना बौरासी सेतिया ने कहा

पिछले दो वर्षों में जो बहनें 18 वर्ष की हुई हैं, सरकार उन्हें लाडली बहना योजना में शामिल नहीं कर रही है। सरकार इन बहनों को अपनी लाडली मानने को तैयार नहीं है। अब तो सरकार योजना का लाभ ले रहीं बहनों के नाम तक काटने की साज़िश कर रही है। यह अन्याय हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।÷

राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा का आरोप

सुश्री अलका लांबा ने कहा

मोदी सरकार मोबाइल कंपनियों को मजबूर कर रही है कि वे फोन में संचार साथी ऐप पहले से इंस्टॉल करें। यह ऐप जासूसी का माध्यम है, विशेष रूप से महिलाओं की निजीता पर हमला करने की साजिश है। भाजपा सरकार की यह नीति अस्वीकार्य है।÷

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का वक्तव्य

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा÷

भाजपा ने लाडली बहनों को केवल छलावा दिया है। किसी बहन को एक भी महीने का ?3000 नहीं मिला। प्रदेश में किसान खाद के लिए लाइन में लगते-लगते मर रहे हैं। सरकार की नीतियाँ पूरी तरह विफल हैं।÷

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का संबोधन

नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने कहा÷

÷प्रदेश में सरकार जनता को उसके हाल पर छोड़ चुकी है। किसान खाद की लाइनों में मर रहा है, आपदा में फसल नष्ट होने पर मुआवजा नहीं मिलता। कांग्रेस युवाओं, किसानों और महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई हर कीमत पर लड़ेगी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति

कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें पूर्व मंत्रीगण—जयवर्धन सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, लखन घनघोरिया, मुकेश नायक, ओमकार मरकाम, सचिन यादव—सहित संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, विक्रांत भूरिया, विधायक महेश परमार, महेंद्र जोशी, विधायकद्वय सेना पटेल एवं अनुभा मुंजारे, अवनीश भार्गव, प्रवीण सक्सेना, विभा पटेल, नूरी खान तथा महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल रहे। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री रीना बौरासी सेतिया ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को गाँव-गाँव और वार्ड-वार्ड तक मजबूत करने का आह्वान किया।

रैली और पदभार ग्रहण समारोह में उत्साह, जोश और संगठनात्मक एकता का अद्भुत माहौल देखा गया। यह ऐतिहासिक यात्रा महिला कांग्रेस के नए दौर की शुरुआत साबित हुई।

सांसद के प्रयासों से छिंदवाड़ा-पांढुर्ना को अनुपूरक बजट में मिले 102 करोड रुपए

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले के चौहुमुखी विकास को लेकर कृतसंकल्पित सांसद बंटी विवेक साहू ने अपने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में ही दोनों जिलों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से करोड़ों की राशि स्वीकृत करा दी है। इसमें सबसे बड़ी सौगात सावनेर से सिवनी तक 2500 करोड़ की लागत से 150 किलोमीटर तक बनने वाला फोरलेन मार्ग भी शामिल है।

सांसद श्री साहू के प्रयासों से मध्यप्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक बजट में रेलवे ब्रिज, पुल और विभिन्न सड़कों के निर्माण के लिए 102 करोड़ की सौगात मिली है। यह सौगात मिलने पर सांसद की पहल पर अब पांढुर्णा शहर में रेलवे ओवर ब्रिज, चौरई के साँख व साजपानी के पास पुल सहित छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले में वर्षों से लंबित 91.5 किलोमीटर जरजर सड़कों का निर्माण कार्य हो सकेगा। विदित हो कि सांसद बंटी विवेक साहू ने इसके पूर्व छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा में विभिन्न सड़कों के निर्माण के लिए 63 करोड़ 92 लाख की सौगात दिलाई थी।

मध्यप्रदेश के द्वितीय अनुपूरक बजट में मिली स्वीकृति

मध्यप्रदेश के वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक बजट में 102 करोड़ 2 लाख की स्वीकृति मिल गई है। इससे अब रेलवे ब्रिज, पुल सहित छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले में अब जल्द ही वर्षों से स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों की मांग पूरी होने के साथ ही सड़कों का निर्माण हो सकेगा। सांसद श्री साहू ने उक्त सड़कों के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण व जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह से लगातार मुलाकात करते हुए ग्रामीण क्षेंत्रों में सड़कों की दयनीय स्थिति का हवाला देते हुए उक्त सड़कों के निर्माण कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करने की मांग की थी। जिसके तहत मध्यप्रदेश के द्वितीय अनुपूरक बजट में इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी हैं।

आबकारी विभाग में मनोनयन

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। यह मनोनयन महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समिति में समाज का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होने से महिला हितों और उनकी कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ता प्राप्त होगी।

श्रीमती अर्चना सूर्यवंशी ने अतिथि शिक्षक के रूप में पदस्थ रहते हुए, मातृत्व अवकाश वेतन सहित प्रदान न किए जाने की स्थिति में लगभग एक वर्ष तक कानूनी संघर्ष कर अपना वैधानिक अधिकार प्राप्त किया था।

इस अनुभव के बाद वे अपने संगठन के माध्यम से उन पात्र महिलाओं की सहायता कर रही हैं जिन्हें अभी भी मातृत्व अवकाश वेतन सहित प्राप्त नहीं हो रहा है। हाल ही में संगठन द्वारा परासिया नगर पालिका की एक महिला कर्मचारी को उनका वैधानिक हक दिलाने में सहयोग किया गया, जो महिला सशक्तिकरण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

4 दिसंबर का इतिहास: 1971 की सफलता ने दुनिया को कैसे दिखाई भारतीय नौसेना की असली ताकत ?

कौशिकी

हर साल 4 दिसंबर को इंडियन नेवी डे मनाया जाता है। यह 1971 के युद्ध में ऑपरेशन ट्राइडेंट की ऐतिहासिक जीत की याद में मनाया जाता है। इस ऑपरेशन में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर हमला कर उसे बड़ा नुकसान पहुंचाया था।

आज के दिन की कहानी÷आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसे दिन की, जिसने भारत के समुद्री इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया। ये तारीख है 4 दिसंबर जिसे हम सब बड़े गर्व से ढ्ठुस्र्द्धड्ठ ह्ड्ड14 ष्ड्ड4 के रूप में मनाते हैं। ये सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है। ये हमारे बहादुर नौसैनिकों के शौर्य और बलिदान को सलाम करने का दिन है।

ये दिन गौरवशाली जीत की कहानी सुनाता है। इसने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में हमारी ताकत का लोहा मनवाया था। इस गंभीर चुनौती का मुकाबला करने के लिए, भारतीय नौसेना ने एक साहसी और निर्णायक योजना बनाई। इस योजना को ऑपरेशन ट्राइडेंट (ह्श्चद्गह्म्ड्डह्लद्बश्ठ्ठ ञ्जह्म्द्बस्रद्गठ्ठह्ल) नाम दिया गया था। इसने युद्ध की पूरी तस्वीर ही बदल दी थी। आइए जानें...

इंडियन नेवी डे÷45 साल पहले नौसेना ने कराची हार्बर को कर दिया था तबाह, जानिए क?या था %ऑपरेशन ट्राइडेंट

साल था 1971 जब भारत और पाकिस्तान के बीच जंग छिड़ी हुई थी। यह लड़ाई सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि समंदर में भी लड़ी जा रही थी। भारतीय नौसेना ने तब एक बहुत ही साहसी और खतरनाक प्लान बनाया।

इस प्लान को नाम दिया गया था %ऑपरेशन ट्राइडेंट। इसे पाकिस्तान के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण बंदरगाह कराची पर हमला करने के लिए तैयार किया गया था। यह हमला इतना गुप्त और सटीक होना था कि दुश्मन को संभलने का मौका ही न मिले।

नौसेना का %ऑपरेशन पायथन% ; जिसने 1971 की जंग में पाकिस्तान को ऐसी चोट दी कि 7 दिनों तक धधकती रही पाकिस्तान की पोर्ट सिटी कराची -

कराची पर तीन शूरवीरों का हमला

इस ऑपरेशन की कमान हमारे जांबाज नौसैनिकों के हाथ में थी। नौसेना ने अपने तीन मिसाइल बोट्स को इस मिशन के लिए चुना। यह हमला 4 दिसंबर की रात को हुआ था। तब अंधेरा और समुद्री लहरें हमारे पक्ष में थीं। कराची शहर की बिजली और रोशनी दुश्मन का साथ दे रही थी। लेकिन, हमारे कमांडोज का हौसला आसमान छू रहा था। भारतीय युद्धपोतों ने दूर से ही पाकिस्तानी नौसेना के ठिकानों पर ताबड़तोड़ मिसाइलों की बारिश कर दी।

1971 भारत-पाक जंग÷ भारत का लक्ष्य ढाका पर क़ब्ज़ा करना था ही नहीं - हिंदी

ऑपरेशन ट्राइडेंट एक ऐसी सफलता थी जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। इस एक रात के हमले ने पाकिस्तान की नौसेना की कमर तोड़ दी थी। कराची के तेल भंडार जल उठे थे। इसकी आग की लपटें कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रही थीं। इस हमले में पाकिस्तान के कई बड़े युद्धपोत और तेल टैंकर पूरी तरह से तबाह हो गए थे।

ऑपरेशन ट्राइडेंट÷जब इंदिरा गांधी ने नौसेना प्रमुख से कहा- इफ देअर इज अ वॉर, देअर इज अ वॉर - 1971

हमारी नौसेना ने बिना कोई बड़ा नुकसान उठाए, यह मिशन पूरा कर दिखाया था। इस जीत ने न केवल युद्ध का रुख बदला बल्कि दुनियाभर में भारतीय नौसेना की धाक जमा दी।

नौसेना का %ऑपरेशन पायथन% ; जिसने 1971 की जंग में पाकिस्तान को ऐसी चोट दी कि 7 दिनों तक धधकती रही पाकिस्तान की पोर्ट सिटी कराची -

नौसेना दिवस क्यों मनाया जाता है

इस ऐतिहासिक और निर्णायक जीत को याद रखने के लिए ही 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस के रूप में घोषित किया गया। ये दिन हमें उन सभी सैनिकों की बहादुरी और बलिदान की याद दिलाता है, जो हर पल हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। हर साल इस दिन, नौसेना अपनी ताकत का प्रदर्शन करती है।

1971 जंग की विजय गाथा÷जब भारत की पाकिस्तान पर जीत के साथ उदय हुआ नया राष्ट्र -

कई रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भारतीय नौसेना का यह शौर्य दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम अपने राष्ट्र की सुरक्षा को हमेशा सर्वोपरि रखें। ये दिन हमारे देश की सुरक्षा, समुद्री ताकत और विकास में नौसेना के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। आज हमारी नौसेना विश्व की सातवीं सबसे बड़ी नौसेना है।

आईएनएस विक्रांत - भारतीय नौसेना का वर्तमान, अतीत और भविष्य - चिंतन

भारतीय नौसेना का वर्तमान और भविष्य

आज की तारीख में, भारतीय नौसेना आधुनिक टेक्नोलॉजी और हथियारों से लैस है। ये सिर्फ युद्धपोतों तक सीमित नहीं है, बल्कि पनडुब्बियों और विमान वाहक पोतों से भी सुसज्जित है। ढ्ढहस्न विक्रमादित्य और अब ढ्ढहस्न विक्रांत जैसे स्वदेशी विमान वाहक हमारी आत्मनिर्भरता को दर्शाते हैं। हमारी नौसेना समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नौसेना का मुख्य उद्देश्य है भारत के हितों की रक्षा करना और एक शांत महासागर सुनिश्चित करना। ये न सिर्फ हमारी सीमाओं की रक्षा करती है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में भी शांति और स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है। सागर जैसे भारत के पहल, हिंद महासागर क्षेत्र में हमारी बढ़ती भूमिका को दिखाते हैं। 4 दिसंबर का दिन हमें समुद्री सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। हमें अपने राष्ट्रीय गौरव को हमेशा बनाए रखना चाहिए।

04 दिसंबर की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं

हर दिन का अपना एक अलग महत्व होता है और 04 दिसंबर का दिन भी इतिहास (आज की यादगार घटनाएं) में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है।

इस दिन दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। आइए जानते हैं 04 दिसंबर (आज की तारीख का इतिहास) को भारत और विश्व में घटी कुछ प्रमुख घटनाओं के बारे में, जो आपके सामान्य ज्ञान को बढ़ा सकती हैं।

विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाएं

1639÷अंग्रेजी खगोलशास्त्री जेरेमिया हॉरोक्स ने शुक्र के पहले पारगमन का अवलोकन किया।

1748÷ फ्रांसीसी रसायन शास्त्री बर्टले का जन्म हुआ, जिन्होंने विभिन्न नमकों पर शोध किया।

1783÷अमेरिकी जनरल जॉर्ज वाशिंगटन ने न्यूयॉर्क शहर में औपचारिक रूप से अपने अधिकारियों को विदाई दी।

1786÷कैलिफोर्निया में पादरी फर्मिन लस्यूएन ने मिशन सांता बारबरा की स्थापना की।

1791÷ दुनिया का पहला रविवार का अखबार %द ऑब्ज़र्वर% लंदन में प्रकाशित हुआ।

1833÷फिलाडेल्फिया में आर्थर तप्पान द्वारा अमेरिकी एंटी-स्लेवरी सोसाइटी गठित की गई।

1859÷ओटोमन साम्राज्य में मेकटेब-ए मुल्कियाय स्कूल स्थापित किया गया।

1872÷ अमेरिकी ब्रिगेंटाइन जहाज %मैरी सेलेस्टे% को रहस्यमय परिस्थितियों में छोड़ दिया गया पाया गया।

1881÷लॉस एंजिल्स टाइम्स का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।

1893÷ पहले माटाबेले युद्ध में ब्रिटिश सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया गया और माटाबेले योद्धाओं ने उनका सफाया कर दिया।

1899÷ पहली बार मनुष्य को टाइफाइड से सुरक्षित रखने के लिए इसका टीका प्रयोग किया गया।

1909÷ कैनेडियन फुटबॉल लीग का चैम्पियनशिप खेल पहला ग्रे कप आयोजित किया गया।

1909÷दुनिया के सबसे पुराने पेशेवर आइस हॉकी क्लब, मॉन्ट्रियल कैनाडीन्स, की स्थापना हुई।

1937÷ राजनीतिक नाटक फिल्म %फर्स्ट लेडी% रिलीज़ हुई।

1943÷ग्रेट डिप्रेशन के दौरान रोजगार देने वाला अमेरिकी वर्क्स प्रोग्रेस एडमिनिस्ट्रेशन समाप्त हो गया।

1952÷ लंदन में चार दिनों तक घातक स्मॉग छाया रहा, जिससे लगभग 4000 लोगों की मौत हुई।

1954÷ वैश्विक हैमबर्गर फास्ट फूड चेन बर्गर किंग की स्थापना मियामी, फ्लोरिडा में हुई।

1955÷ लक्समबर्ग में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लड डोनर ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की गई।

1957÷लंदन में ल्यूशम रेल दुर्घटना में 92 लोगों की मौत हुई।

1971÷ उल्स्टर लॉयलिस्ट समूह ने उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट में एक पब में बम विस्फोट किया, जिसमें 15 लोग मारे गए।

1979÷ ब्रूस जॉर्ज पीटर ली ने इंग्लैंड में एक परिवार के घर में आग लगा दी और नौ अन्य घातक गोलीबारी का खुलासा किया।

1980÷ अंग्रेजी रॉक समूह लेड ज़ेपेलिन (स्रुस्त्र द्गश्चद्गद्यद्बठ्ठ) ने आधिकारिक तौर पर भंग होने की घोषणा की।

1984÷ हिजबुल्ला हमलावरों ने कुवैत एयरलाइंस विमान का अपहरण किया और 4 यात्रियों को मार डाला।

1992÷ अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने सोमालिया में मानवीय सहायता के लिए अमेरिकी सैनिकों को भेजने का आदेश दिया।

1996÷ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह के लिए %मार्स पाथफाउंडर% अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया।

2004÷पेरू की मारिया जूलिया मांतिला गार्शिया को मिस वर्ल्ड 2004 चुना गया।

2005÷ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधान मंत्री मैल्कम फ्रेजर ने दुनिया भर में मृत्युदंड पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया।

2006÷नासा ने चंद्रमा के उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव पर एक आधार बनाने के अपने इरादे का खुलासा किया।

2006÷ अमेरिका के लुइसियाना के जेना में छह अश्वेत युवकों द्वारा एक गोरे व्यक्ति पर हमला किया गया, जिसका कोर्ट केस एक कारण बन गया।

2006÷ फिलीपींस के एक गाँव में तूफ़ान के बाद ज़मीन धंसने से लगभग एक हज़ार लोगों की मौत हुई।

2007÷ संयुक्त राज्य अमेरिका ने पेरू के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की।

2008÷रूस के प्रधान मंत्री व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन को गैस आपूर्ति कम करने की चेतावनी दी।

2009÷ नामीबिया के वर्तमान राष्ट्रपति हिफिकपुन्ने पोहाम्बा को सत्ताधारी पार्टी के साथ फिर से नियुक्त किया गया।

2010÷इक्वाडोर के अधिकारियों ने राख निकलना शुरू होने के बाद तुंगुरहुआ ज्वालामुखी की ढलानों से लोगों को निकालने का आदेश दिया।

2012÷सीरिया में हुए मोर्टार हमले में 29 लोगों की मौत हुई।

771÷ ऑस्ट्रियन किंग कार्लमन द्ब की मृत्यु हो गई, जिससे उनके भाई शारलेमेन को पूर्ण फ्रैंकिश किंगडम मिला।

भारत की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं

1829÷राजा राम मोहन रॉय के प्रयासों के बाद, ब्रिटिश भारत के हिस्से में सती प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया गया।

1860÷गोवा के अगस्टिनो लॉरेंसो पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि लेने वाले पहले भारतीय बने।

1919÷भारत के बारहवें प्रधानमंत्री इन्द्र कुमार गुजराल का जन्म हुआ।

1971÷भारतीय नौसेना और पाकिस्तान नौसेना के बीच लड़ाई एक और स्तर पर पहुँच गई, जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध को एक त्रासदी बताया। (यह दिन भारतीय नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो %ऑपरेशन ट्राइडेंट% की सफलता को याद करता है)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिल्पकारों को दी बधाई

खजुराहो स्टोन, ग्वालियर शिल्प सहित 5 प्रोडक्ट्स को मिला जीआई टैग

भोपाल सांध्यप्रकाश। भारत का दिल कहे जाने वाले मध्यप्रदेश की मिट्टी में सदियों से कला और संस्कृति की अनोखी खुशबू बसी है। अब इस प्राचीन विरासत को एक ऐतिहासिक पहचान मिली है। राज्य की 5 बहुत ही खास शिल्पकलाओं को जीआई टैग से नवाजा गया है। जीआई टैग मिलते ही ये विरासत अब भारत की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स में शामिल हो गई है। ये ऐतिहासिक उपलब्धि राज्य के शिल्पियों के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान है। इनकी मेहनत को अब वैश्विक मंच मिला है।

इस बड़ी सफलता को पद्मश्री डॉ. रजनीकांत, जिन्हें जीआई मैन ऑफ इंडिया कहा जाता है, उन्होंने अत्यंत गर्व का पल बताया है।

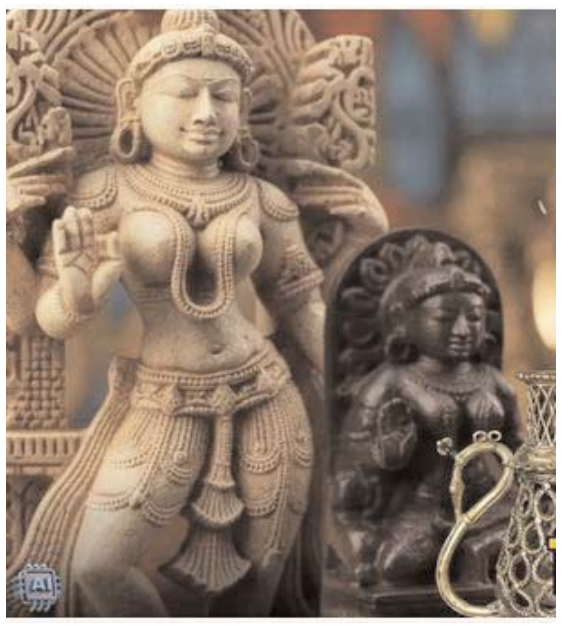

इन 5 शिल्पकलाओं को मिली पहचान

GI Registry की वेबसाइट पर उत्पादों के सामने रजिस्टर्ड का स्टेटस आ गया है। इससे संबंधित शिल्पियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इन शिल्पकलाओं को जीआई टैग मिलने से बड़ा गौरव मिला है। आपको बता दें कि लगभग एक साल पहले त्नद्ध टैग के लिए आवेदन किया गया था। इस पूरी पहल को नाबार्ड और सिडबी मध्य प्रदेश ने वित्तीय सहायता दी थी। यह सफलता स्थानीय शिल्प और कारीगरों की मेहनत का परिणाम है। अब इन विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी। इनवंबर महीने में पन्ना जिले के हीरे को भी जीआई टैग मिला था (पन्ना के हीरों को मिलेगा त्नद्ध टैग)। अब पन्ना के हीरे पन्ना डायमंड के नाम से जाने जाएंगे। इन्हें सर्टिफाइड, प्रीमियम नेचुरल प्रोडक्ट के तौर पर दुनिया भर के बाजारों में बेचा जाएगा। यह पन्ना के लिए बड़ी उपलब्धि है, जो भारत का इकलौता ऐसा जिला है जहां हीरे मिलते हैं। इतना ही नहीं, लगभग 25 अन्य प्रोडक्ट्स को भी जीआई मिलने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है।

जल्द ही इन उत्पादों को भी जीआई टैग मिलने की पूरी संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस सम्मान से हमारी विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी। यह शिल्पकारों की अद्भुत सृजनशीलता और कौशल को समर्पित सम्मान है।

जीआई टैग क्यों है इतना जरूरी

जीआई टैग का मतलब होता है जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग । ये टैग किसी प्रोडक्ट्स या कला को उस क्षेत्र की ज्योग्राफिकल आइडेंटिटी से जोड़ता है। ये दिखाता है कि प्रोडक्ट्स की क्वालिटी या स्पेशलिटी उसी क्षेत्र की मिट्टी, मौसम या ट्रेडिशनल वर्कमैनशिप के कारण है। जैसे दार्जिलिंग चाय या बनारसी साड़ी।

जीआई टैग पाने के लिए संबंधित कारीगरों या उत्पादकों का समूह भारतीय जीआई रजिस्ट्री में आवेदन करता है। आवेदन में उत्पाद की खासियत, इतिहास और भौगोलिक प्रमाण देना होता है। जांच के बाद रजिस्ट्री इसे त्नद्ध ञ्जड्डद्द देती है। ये टैग 10 साल के लिए वैलिड होता है। इसे फिर से रिन्यू कराया जा सकता है। जीआई टैग मिलने से उस उत्पाद के नकली बनने से रोका जा सकता है। रतलामी सेव और मुरैना की गजक को भी त्नद्ध टैग मिला है, जिससे उनकी गुणवत्ता की पहचान हुई है।

इन 5 उत्पादों को जीआई टैग मिला है

खजुराहो स्टोन क्राफ्ट: खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों की तरह ही, यहां की पत्थर की बारीक कारीगरी को विशेष पहचान मिली है।

बैतूल भरेवा मेटल क्राफ्ट: बैतूल की यह धातु शिल्प कला प्राचीन समय से ही चली आ रही है।

ग्वालियर स्टोन शिल्प: ग्वालियर के पत्थर की नक्काशी अपनी अद्वितीय सुंदरता के लिए जानी जाती है।

ग्वालियर पेपर मैशे : ग्वालियर की यह कला कागज की लुगदी से बनाई जाती है।

छतरपुर फर्नीचर: छतरपुर के लकड़ी के फर्नीचर की कलात्मकता को सम्मान मिला है।

नहीं मिली नियुक्ति, द्विवर्षीय पशुपालन डिप्लोमा धारकों ने फिर सौंपा ज्ञापन

भोपाल सांध्यप्रकाश। कामधेनु भवन में द्विवर्षीय पशुपालन (वेटेरिनरी) डिप्लोमा धारक अभ्यर्थियों ने अपने न्यायसंगत अधिकारों की माँग को लेकर पाँचवीं बार विभाग को ज्ञापन सौंपा। यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण, अनुशासित और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। वेटरनरी डिप्लोमा होल्डर एसोसिएशन के मनोज नागले ने बताया अभ्यर्थियों का मुख्य मुद्दा यह है कि एवीएफओ भर्ती 2024-25 के दौरान ही माननीय उच्च न्यायालय द्वारा डिप्लोमा धारकों को सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी पद पर नियुक्ति देने के स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं, किंतु विभाग द्वारा अब तक इन आदेशों का क्रियान्वयन नहीं किया गया है। साथ ही, जिन डिग्री धारकों को पूर्व में नियुक्ति प्रदान की गई थी तथा जिनकी नियुक्ति माननीय उच्च न्यायालय के अंतिम आदेश के अधीन थी, उन नियुक्तियों को अभी तक निरस्त नहीं किया गया है, और न ही उन पदों पर डिप्लोमा धारकों की नियुक्ति की गई है। मध्य प्रदेश वेटेरिनरी डिप्लोमा होल्डर्स एसोसिएशन की प्रमुख माँगें÷ माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय को तत्काल लागू किया जाए। एवीएफओ भर्ती 2024 को बिना विलंब पूर्ण किया जाए तथा पात्र-अपात्र सूची जारी कर योग्य अभ्यर्थियों को शीघ्र नियुक्ति दी जाए। जिन डिग्री धारकों की नियुक्ति न्यायालय के अंतिम आदेश के अधीन लंबित थी, उनकी नियुक्ति निरस्त कर, उनकी जगह डिप्लोमा धारकों को नियुक्ति प्रदान की जाए। भविष्य में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी पद पर भर्ती प्रक्रिया को भर्ती नियमों और न्यायालय के आदेशों के अनुरूप पूर्णतया डिप्लोमा धारक आधार पर किया जाए। अंत में, अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि विभाग द्वारा शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जाती है, तो आंदोलन को प्रदेशभर में व्यापक रूप दिया जाएगा, परंतु यह चरण भी पूरी तरह शांतिपूर्ण, संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से ही किया जाएगा। वेटरनरी डिप्लोमा होल्डर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नागले ने कहा कि

पशुपालन विभाग द्वारा 1 जून से 5 जून तक कुल 498 सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ सत्यापन कराया गया था। इनमें से 327 डिप्लोमा अभ्यर्थियों की पात्र/अपात्र सूची विभाग ने जारी कर दी है, परंतु शेष अभ्यर्थियों—अर्थात् डॉक्टर (डिग्री) वर्ग—के संबंध में आज दिनांक तक कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। इस पर गंभीर आपत्ति जताते हुए अभ्यर्थियों ने कहा कि विभाग की यह चुप्पी और जानकारी न जारी करना कई संदेहों को जन्म देता है। यह प्रश्न उठ रहा है कि विभाग किन कारणों या किस मंशा से डॉक्टर अभ्यर्थियों की जानकारी को सार्वजनिक करने से बच रहा है?÷ जबकि पारदर्शिता के मूल सिद्धांत के अनुसार, सभी अभ्यर्थियों की पात्रता/अपात्रता सूची एक साथ और समान रूप से जारी की जानी चाहिए थी, लेकिन केवल डिप्लोमा अभ्यर्थियों की सूची जारी कर शेष अभ्यर्थियों की जानकारी रोकना विभाग की नियत (इंटेंशन) पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

वाहन कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ानी होंगी मुश्किल; पहले ही घंटे में दोगुना से अधिक भरे तीन आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो निर्माताओं के लिए नए साल में कीमतों में बढ़ोतरी को जारी रखना मुश्किल हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संभावित मुनाफाखोरी-रोधी उपायों पर सरकारी निगरानी कड़ी हो रही है। साथ ही इनपुट लागत में फिर से बढ़ोतरी शुरू हो रही है। इस साल की स्थिति जनवरी में होने वाली 1-3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल है, जो आमतौर पर उद्योग करते हैं। 22 सितंबर, 2025 को कर कटौती के बाद कई सरकारी निकाय जीएसटी के बाद के मूल्य निर्धारण व्यवहार पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। निगरानी अब मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय के अधीन है, जो उल्लंघनों की जांच करता है। 2022 में मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण के समाप्त होने के बाद से प्रवर्तन ढांचा भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अधीन होने के साथ कंपनियों को उम्मीद है कि जीएसटी कटौती के इरादे के अनुरूप न दिखने वाले किसी भी मूल्य निर्धारण की गहन जांच की जाएगी। इसने ऑटो कंपनियों को और भी सतर्क कर दिया है। एक प्रमुख यात्री वाहन निर्माता कंपनी के अधिकारी ने कहा, वाकई में कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, तब भी जनवरी में कीमतों में वृद्धि की बारीकी से जांच की जाएगी। इस बीच लागत का दबाव चुपचाप फिर से उभर रहा है।

मीशो सहित तीन आईपीओ पहले ही घंटे में भरे दो गुना से ज्यादा

ई-कॉमर्स मीशो सहित तीन आईपीओ बुधवार को खुलते ही पहले घंटे में भर गए। इनको दो गुना से ज्यादा का रिस्पांस मिला। एक्सचेंजों के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 5,421 करोड़ रुपये का मीशो का इश्यू 2.35 गुना भरा। खुदरा निवेशकों ने 3.85 गुना ज्यादा पैसा लगाया। एंकर निवेशकों से इसने 2,439 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसका मूल्य 105-111 रुपये तय किया गया है। विद्या वायर्स के इश्यू को 2.89 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। 300 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में खुदरा निवेशकों ने 4.02 गुना पैसा लगाया। एंकर निवेशकों से 90 करोड़ रुपये जुटाया गया है। इसका भाव 48-52 रुपये तय किया गया है। 922 करोड़ का एक्वस का आईपीओ 3.42 गुना भरा। खुदरा निवेशकों ने 11.46 गुना ज्यादा पैसा लगाया। एंकर निवेशकों से 414 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। मूल्य 118-124 रुपये शेयर तय किया गया है। तीनों इश्यू शुक्रवार को बंद होंगे।

कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए नियम को आसान बनाएगा सेबी

बाजार नियामक सेबी ने सिंगल विंडो पहुंच की शुरुआत करके कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय प्रतिभूति बाजार में भागीदारी आसान बना दी है। इस कदम का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और निवेश गंतव्य के रूप में देश के आकर्षण को बढ़ाना है। नया ढांचा विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित और सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत-एफआई) विदेशी निवेशकों को आसान निवेश पहुंच प्रदान करेगा। इससे विभिन्न निवेश मार्गों में एकीकृत पंजीकरण प्रक्रिया सक्षम होगी। ऐसी संस्थाओं के लिए बार-बार अनुपालन और दस्तावेजीकरण कम होगा।

कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों में सरकारी स्वामित्व वाले फंड, केंद्रीय बैंक, सॉवरेन वेल्थ फंड, बहुपक्षीय संस्थाएं, उच्च विनियमित सार्वजनिक खुदरा फंड और विनियमित बीमा कंपनियों के साथ ही पेंशन फंड शामिल हैं। इसे प्रभावी बनाने के लिए सेबी ने विदेशी निवेशकों और एफवीसीआई नियमों में संशोधन किया है। सेबी का यह नियम 1 जून, 2026 से लागू होंगे।

एमपी के इस जिलें में 100 फीट चौड़ी होगी सड़क, टूटेंगी दुकानें, जाम से मिलेगी राहत

भोपाल सांध्यप्रकाश। खरगोन के लोगों को जल्द ही ट्रैफिक जाम की बड़ी समस्या से राहत मिलने वाली है। नगरपालिका प्रशासन ने शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक, श्रीकृष्ण टॉकीज तिराहे के चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत सड़क को 100 फीट तक चौड़ा करने का लक्ष्य है, जिसकी शुरुआत 21 दुकानों को पीछे शिफ्ट करने से हो रही है।

मुख्य बाजार का अहम जंक्शन

श्रीकृष्ण टॉकीज तिराहा शहर के कई मुख्य मार्गों जैसे एमजी रोड, जवाहर मार्ग, बिस्टान रोड और सनावद रोड को सीधे मुख्य बाजार से जोड़ता है। इस वजह से यहां दिन भर वाहनों का भारी दबाव रहता है और अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय नागरिक और व्यापारी लंबे समय से इस जंक्शन को चौड़ा करने की मांग कर रहे थे, ताकि यातायात सुगम हो सके।

21 दुकानें होंगी शिफ्ट

चौड़ीकरण योजना के पहले चरण में, नगरपालिका प्रशासन ने डीएफओ कार्यालय की दीवार से सटे नाले के बाहर बनी 21 दुकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इन दुकानों को करीब पांच से सात फीट पीछे शिफ्ट किया जाएगा, जिससे सड़क के लिए अतिरिक्त जगह मिल सके। रविवार को नगरपालिका के इंजीनियरों और जनप्रतिनिधियों की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर नाप-जोख की और आगे की रूपरेखा तैयार की।

दुकानदारों ने जताई सहमति

इस कार्रवाई की सबसे खास बात यह है कि नगरपालिका द्वारा औपचारिक नोटिस जारी करने से पहले ही प्रभावित दुकानदारों ने इस पर अपनी सहमति दे दी थी। दुकानदारों ने भी ट्रैफिक की समस्या को समझते हुए प्रशासन के इस कदम का समर्थन किया है। इस आपसी सहमति से चौड़ीकरण का काम बिना किसी बड़े विवाद के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है।

इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद न केवल श्रीकृष्ण टॉकीज तिराहे पर ट्रैफिक सुगम होगा, बल्कि इससे जुड़े सभी मुख्य मार्गों पर भी यातायात का दबाव कम होगा। प्रशासन का मानना है कि यह कदम शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में एक बड़ा और सकारात्मक सुधार लाएगा।

साइबर ठगों की बड़ी साजिश नाकाम, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 73 लाख की ठगी टली

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम और जनङ्कजागरूकता के लिए निरंतर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत बैतूल पुलिस ने ÷डिजिटल अरेस्ट÷ जैसे खतरनाक साइबर जाल से एक रिटायर्ड बुजुर्ग को मुक्त कराते हुए उनकी 73 लाख रुपये की जीवनभर की जमा-पूंजी को बचाया। पुलिस की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से न केवल एक बड़ी ठगी रोकी गई, बल्कि साइबर अपराधियों की साजिश भी विफल हुई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी सारणी सुश्री प्रियंका करचाम तथा थाना प्रभारी सारणी श्री जयपाल इनवाती के मार्गदर्शन में पाथाखेड़ा पुलिस टीम द्वारा की गई।

पीड़ित चैतराम नरवरे, निवासी अशोका गार्डन, भोपाल (रिटायर्ड ङ्खष्टरु कर्मचारी) को वीडियो कॉल के माध्यम से स्वयं को ईडीङ्कसीबीआई अधिकारी बताने वाले ठगों ने झूठे मनीङ्कलॉन्ड्रिंग आरोपों में फंसाकर भारी धनराशि देने का दवाब बनाया। ठगों ने उन्हें पाथाखेड़ा, सारणी बुलाकर होटल के कमरे में ÷डिजिटल अरेस्ट÷ रखा, परिवार से बात करने से रोका एवं बैंक में उनकी एफडी तुड़वाने का दबाव बनाया। पीड़ित अपनी एफडी तुड़वाकर ठगों को देने के लिए बैंक से फॉर्म तक लेकर आ गए थे।

पीड़ित के परिजनों द्वारा लगातार संपर्क न हो पाने पर अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पाथाखेड़ा पुलिस टीम ने तुरंत मोबाइल लोकेशन ट्रैक की, जो राजेश गेस्ट हाउस, बगडोना में मिली। पुलिस जब होटल पहुँची, तो पीड़ित चैतराम नरवरे मानसिक रूप से सदमे की स्थिति में थे और तीन दिनों से चल रहे घटनाक्रम पर विश्वास नहीं कर पा रहा थे। उन्होंने प्रारंभ में पुलिसकर्मियों का भी सहयोग नहीं किया और ÷डिजिटल अरेस्ट÷ को सच मान बैठे थे। पुलिस टीम ने धैर्यपूर्वक समझाइश देकर उनका भ्रम दूर किया तथा उन्हें सुरक्षित गेस्ट हाउस से बाहर निकालकर परिजनों से मिलवाया। समय पर की गई इस कार्रवाई से 73 लाख रुपये की ठगी टल गई।

अधिवक्ता क्रिकेट खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं व उज्वल भविष्य की कामना:देवेंद्र रावत

भोपाल सांध्यप्रकाश। विश्व हिंदू परिषद मध्य भारत प्रांत विधि प्रमुख व जिला अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र रावत अपने साथी बालिस्ता रावत, केपी पाठक, अनिल गिरी, धर्मेंद्र अहिरवार के साथ बरकतउल्ला विश्व विद्यालय खेल मैदान पहुंचकर केसरी व रेड टीम के अधिवक्ता क्रिकेट खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, रावत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उज्वल भविष्य की कामना, इस अवसर पर रावत ने कहा अधिवक्ताओं के हितों व अधिकारों के लिये सदैव कार्य करता रहूंगा ।

नए व्यवसायों की संख्या बढ़ने से सेवा क्षेत्र में तेजी, नवंबर में वृद्धि रही जोरदार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र में नवंबर महीने में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। नए व्यवसायों की संख्या में तेजी और कीमतों में नरमी आने से सेक्टर की गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में बढ़कर 59.8 पर पहुंच गया, जबकि अक्टूबर में यह 58.9 पर आ गया था। नए व्यवसायों की संख्या में तेजी से वृद्धि और कीमतों में कमी से नवंबर में सेवा क्षेत्र की वृद्धि में तेजी आई है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स बढ़कर 59.8 हो गया। अक्तूबर में यह गिरकर 58.9 पर आ गया था। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का मतलब मजबूती और इससे नीचे का मतलब कमजोरी माना जाता है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए व्यवसायों के आने से सेवा क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा मिला है। एशिया, यूरोप व मध्य पूर्व में कंपनियों के लाभ दर्ज करने के साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री में सुधार जारी रहा। हालांकि, विस्तार की दर आठ माह के निचले स्तर पर आ गई। कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा व अन्य जगहों पर सस्ती सेवाओं की आपूर्ति ने विकास को बाधित किया। भंडारी ने कहा, विदेशी सेवाओं में प्रतिस्पर्धा के कारण अंतरराष्ट्रीय बिक्री आठ महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति लगभग साढ़े पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। बिक्री शुल्क में मामूली वृद्धि हुई। हालांकि नवंबर में भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में और नौकरियां जुड़ीं, लेकिन विस्तार की दर मध्यम मोटे तौर पर पिछले दो महीनों के समान ही रही। अधिकतर कंपनियों ने इस दौरान पेरोल संख्या में कोई बदलाव नहीं बताया।

रिपोर्ट में दावा- आरबीआई ब्याज दरों को रख सकता है स्थिर, कटौती की गुंजाइश बेहद सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी। यस बैंक की रिपोर्ट का अनुमान है कि आरबीआई दिसंबर एमपीसी बैठक में रेपो दर को 5.5त्न पर स्थिर रखेगा, क्योंकि दर कटौती की गुंजाइश सीमित है। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई 2त्न से नीचे है, जबकि दूसरी तिमाही में त्नष्ठक्क8.2त्न रही। मांग में संभावित सुस्ती, पूंजीगत खर्च में कमी और रुपये पर दबाव जैसे कारकों के चलते दरों में बदलाव की संभावना कम मानी गई है।

आरबीआई इस महीने की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत रेपो दर को 5.5त्न पर अपरिवर्तित रखेगा। यस बैंक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दरों में कटौती की गुंजाइश बेहद सीमित है, जिससे नीति निर्णय %टच-एंड-गो% स्थिति में बना हुआ है। इसमें कहा गया है कि हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई दिसंबर में रुकावट बनाए रखेगा और न तो दरों में बदलाव करेगा और न ही अपने रुख में परिवर्तन करेगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि खुदरा महंगाई लगातार 2 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है और अगले 3 से 4 महीनों तक निम्न स्तर पर रहने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर, भारत की आर्थिक वृद्धि अपेक्षाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जिससे नीति पर तत्काल नरमी की संभावना घटती है।

वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही और अक्तूबर के उच्च आवृत्ति आंकड़ों ने भी स्थिर विस्तार का संकेत दिया। हालांकि, हाल ही में जारी कुछ संकेतक, जैसे कि विनिर्माण पीएमआई और आईआईपी यानी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, निचले स्तर पर दर्ज किए गए। यह गति में संभावित नरमी को दर्शाते हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि त्योहारी मांग कम होने और केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी आने के कारण आने वाली तिमाहियों में विकास को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, आधार प्रभावों के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में थोड़ी वृद्धि होने की उम्मीद है। इस पृष्ठभूमि में, रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई को इस बार कटौती नहीं करनी चाहिए। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि आरबीआई अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों को कम कर सकता है। केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 26 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को घटाकर 1.8-2.0 प्रतिशत कर सकता है, जबकि वर्तमान अनुमान 2.6 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को भी आरबीआई के मौजूदा अनुमान 4.5 प्रतिशत से घटाकर लगभग 4 प्रतिशत किया जा सकता है, जबकि यस बैंक का अनुमान है कि मुद्रास्फीति 3.1 प्रतिशत रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई के सामने कठिन नीतिगत विकल्प है, विकास दर मजबूत बनी हुई है, जबकि मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से नीचे रहने के कारण ब्याज दरों में कटौती उचित हो सकती है। हालांकि, रिपोर्ट में चार प्रमुख कारणों से कोई कार्रवाई न करने के पक्ष में मतदान किया गया। फरवरी 2026 में एक नई सीपीआई और जीडीपी श्रृंखला का शुभारंभ, वर्तमान में कम मुद्रास्फीति, जो मुख्य रूप से सब्जियों और जीएसटी में कटौती के कारण है, ऋष्टा वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक है, जो जमा दरों में और गिरावट होने पर उधार देने को प्रभावित कर सकती है, और रुपये के मूल्यह्रास के दबाव के साथ कम विदेशी प्रवाह, जिससे अमेरिका और भारत के बीच ब्याज दर के अंतर को कम करना अनुपयुक्त हो जाता है। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि दिसंबर में दरों और रुख को अपरिवर्तित रखने से आरबीआई को स्थिरता बनाए रखने और आगे चलकर नीतिगत लचीलापन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सांसद वीडी शर्मा ने की मुलाकात

खजुराहो, सांध्य प्रकाश। नई दिल्ली में खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने देश के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर बनारस से खजुराहो के लिए 'वन्दे भारत' रेल सेवा शुरू करने हेतु क्षेत्र के नागरिकों की ओर से धन्यवाद दिया।

कटनी जंक्शन से गुजरने वाली रेवांचल एक्सप्रेस का स्टॉपेज रीठी रेलवे स्टेशन, रीवा-इतवारी, जबलपुर-अंबिकापुर एक्सप्रेस एवं सिंगरौली इंटरसिटी एक्सप्रेस का स्टॉपेज तथा रीवा जबलपुर इंटरसिटी व दयोदया एक्सप्रेस व महाकौशल एक्सप्रेस का स्टॉपेज निवार स्टेशन कराने का आग्रह किया।

ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के अंश भाग खजुराहो से सतना कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, कटनी जिले में रेलवे वाशिंक पिट स्थापित कराने व डीआरएम उपकार्यालय खोलने एवं खजुराहो से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों में प्रथम श्रेमी वातानुकूलित कोच लगाये जाने का आग्रह किया।

कटनी जंक्शन पर छपरा एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, प्रयागराज दोरंतो एक्सप्रेस, पाटलीपुत्र एक्सप्रेस, एवायसी-आरएमएम सुपरफास्ट एक्सप्रेस, गोदान एक्सप्रेस, आजमगढ़ एक्सप्रेस, दानापुर-पुणे फेस्टिवल सुपर फास्ट एक्सप्रेस के स्टॉपेज किए जाने हेतु आग्रह किया।

खजुराहो से संचालित प्रयागराज एक्सप्रेस में वातानुकूलित कोच लगाने, भोपाल से खजुराहो के बीच महामना एक्सप्रेस में उच्च स्तर के कोच लगाने एवं लखनऊ से खजुराहो शताब्दी एक्सप्रेस का संचालन किया जाने का अनुरोध किया।

कटनी (मुड़वारा) से गुजरने वाली दुर्ग-जम्मूतवी व्हाया अमृतसर एवं जबलपुर-अटारी व्हाया अमृतसर एक्सप्रेस को पुनः नियमित रूप से चलाए जाने हेतु आग्रह किया।

गजब है जिले की शिक्षा व्यवस्था!

जर्जर भवन, अधूरा रसोईघर और पेड़ के नीचे चल रहा स्कूल

मंडला, सांध्य प्रकाश। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर, जनपद पंचायत मण्डला की ग्राम पंचायत देवगांव के पोषक ग्राम तलैया टोला में प्राथमिक शाला की हालत बदहाल है। शाला भवन पूरी तरह जर्जर होने के कारण पिछले एक वर्ष से स्कूल का संचालन खुले आसमान के नीचे पेड़ की छाव में करना पड़ रहा है। वहीं, रसोईघर का निर्माण कार्य भी आज तक पूरा नहीं हो पाया है।

जानकारी के अनुसार तलैया टोला प्राथमिक शाला में 26ङ्क27 बच्चे अध्ययनरत हैं। स्कूल भवन का निर्माण वर्ष 2002 में ग्राम पंचायत द्वारा कराया गया था, जो चार-पांच साल से खराब स्थिति में है । लगभग एक वर्ष पूर्व पी. डब्ल्यू. डी. ने भवन को जर्जर घोषित कर दिया। इसके बावजूद स्कूल संचालन के लिए विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। मजबूरी में शाला प्रबंधन और ग्रामीणों ने पंचायत की अनुमति लेकर पहले रंगमंच में स्कूल चलाना शुरू किया, परंतु दीपावली के आसपास वहां सड़क निर्माण शुरू हो गया, जिसके कारण मटेरियल वाहनों की आवाजाही बच्चों के लिए खतरा बन गई।

गांव में निजी घर देने की पहल भी असफल रही। ऐसे में शाला प्रबंधन के पास पेड़ के नीचे खुले में स्कूल चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जर्जर भवन में प्रवेश वर्जित होने के कारण आज बच्चे खुले आसमान में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

बच्चों ने भी जताया आक्रोश। उनका कहना है कि बड़े लोग तो अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा लेते हैं, लेकिन गरीब बच्चों को ऐसी परिस्थिति में पढ़ाई छोड़नी पड़ सकती है। खुले स्थान में स्कूल संचालित होने से जानवरों, जहरीले कीड़े-मकोड़ों और बाजू से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का खतरा बना रहता है। शाला परिसर में बाउंड्रीवॉल तक नहीं है।

स्कूल शिक्षक संतोष सोनी ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा और उचित अध्यापन व्यवस्था न होना बेहद चिंता का विषय है। इस संबंध में लगातार जिला शिक्षा केंद्र को पत्राचार एवं व्यक्तिगत जानकारी दी गई है। नए भवन की मांग भी बार-बार रखी गई, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल सका। अधिकारी आते हैं, निरीक्षण करते हैं और टिप्पणी लिखकर वापस चले जाते हैं।

सोनी ने सवाल उठाया कि यदि इस बीच कोई दुर्घटना हो जाती है तो दोष शिक्षक को ही ठहराया जाएगा, जबकि वास्तविक जिम्मेदारी विभाग की है जिसने आज तक भवन उपलब्ध नहीं कराया। विभाग की ओर से जवाब मिलता है कि भवन अनुमोदन हेतु प्रस्ताव भोपाल भेजा गया है, स्वीकृति मिलने पर निर्माण कराया जाएगा। तब तक बच्चों को कहां बैठाकर पढ़ाया जाए - यह सबसे बड़ी विडंबना है।

जिले की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते इस हालात ने प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों व शिक्षक ने शीघ्र नए स्कूल भवन निर्माण एवं सुरक्षित व्यवस्था की मांग की है।

इनका कहना है -

जिले के कई शासकीय स्कूलों में भवनों का अभाव है तथा अनेक भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं। ऐसी परिस्थितियों में मासूम बच्चों से गुणवत्ता-युक्त शिक्षा की अपेक्षा करना कठिन है। यह स्थिति सरकार की घोषणाओं को भी खोखला साबित करती है।

मैंने जिले के जर्जर स्कूल भवनों की विस्तृत सूची भोपाल मंत्रालय को प्रेषित कर दी है। मेरी सरकार से विनम्र अपील है कि जिले के सभी विद्यालयों के भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य को शीघ्र प्राथमिकता दी जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित वातावरण और बेहतर शिक्षा मिल सके।

चैन सिंह बरकड़े
विधायक, विधान सभा क्षेत्र निवास, मण्डला

तलैया टोला प्राथमिक शाला भवन के निर्माण कार्य को इस वर्ष की वार्षिक कार्ययोजना में अनिवार्य रूप से स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कुलदीप कठल,
डीपीसी, मंडला

मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बहुप्रतीक्षित पॉडकास्ट स्टूडियो का शुभारंभ

भोपाल , सांध्य प्रकाश। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मुद्दा-आधारित संवाद को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्थापित किए गए पॉडकास्ट स्टूडियो रूम का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह महत्वपूर्ण पहल मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के मार्गदर्शन तथा संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले जी के प्रभावी प्रयासों से संभव हुई।

भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के प्रथम तल पर विकसित इस आधुनिक एवं सुसज्जित पॉडकास्ट स्टूडियो का उद्देश्य पार्टी की नीतियों, जनसरोकार से जुड़े मुद्दों और संगठन की आवाज़ को तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाना है। यह स्टूडियो कांग्रेस संगठन को डिजिटल युग में सशक्त संवाद का नया माध्यम प्रदान करेगा।

कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी ने इस पहल को संगठन के लिए दूरगामी एवं अत्यंत आवश्यक कदम बताया।

इस शुभ अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे— पीसीसी चीफ श्री जीतू पटवारी जी,सीएलपी लीडर श्री उमंग सिंघार जी,पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा जी,मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक जी,पूर्व मंत्री श्री जयवर्धन सिंह जी,आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रांत भूरिया जी,विधायक श्री महेश परमार जी सीडब्ल्यूसी सदस्य श्रीओमकार मकरम जी,पूर्व मंत्री श्री लखन घनघोरिया जी,संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले जी,सेवादल के अध्यक्ष श्री अवनीश भार्गव जी,प्रशिक्षण प्रभारी श्री महेंद्र जोशी जी,भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रवीण सक्सेना जी,महासचिव श्री संजीव सक्सेना जी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी ,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक जी, सहित वरिष्ठ नेताओं ने शुभकामनाएं दी और संयुक्त रूप से कहा कि यह पॉडकास्ट स्टूडियो संगठन को नई ऊर्जा देगा तथा जनता से संवाद को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाएगा।

दिव्यांग दिवस पर प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

सीहोर, सांध्य प्रकाश। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग , समग्र शिक्षा अभियाान, जिला परियोजना समन्वयक,एवं जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केन्द्र सीहोर के संयुक्त तत्वाधान में अंर्तराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का आयोजन शासकीय आवासीय खेलकूद संस्था सीहोर में किया गया। दिव्यांग दिवस के अवसर पर प्रिंस राठौर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सीहोर, महेश यादव उपसंचालक सामाजिक न्याय, संजय सिंह तोमर जिला शिक्षा अधिकारी, कुमार सुकेश प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक सीहोर, आर आर उइके जिला परियोजना समन्वयक, श्रीमती मीनि मेहरा लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल,आलोक शर्मा प्राचार्य, दीपा कीर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, अंकिता ठाकुर एवं अन्य अतिथियों मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर माल्यार्पण कर विधिवत शुभारंभ किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रिंस राठौर ने दिव्यांग भाई और बहनों को शुभकामनाऐं देते हुए अपने कर्तव्य और लक्ष्य की प्राप्ति के हमेशा प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। दिव्यांग दिवस के अवसर पर सीहोर जिले के समस्त विकासखंड के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का विभिन्न प्रतियोगिता में सराहनी प्रदर्शन किया इस अवसर पर 100 मी दौड, गोला फेंक, कुर्सी दोड, नींबू दौड, व्हील चेयर दौड, चित्रकला, रांगोली, मेंहदी, समूह नृत्य, एकल नृत्य, फेंसी ड्रेस प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में सभी ने ब?च?कर भाग लिया। दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिले के दिव्यांगजनों को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सीहोर की और से बैटरी वाली ट्रायसायकल और टीएलएम किट, वेशाखी, श्रवण यंत्र के साथ सुगम्य केन का वितरण अतिथियों के द्वारा दुर्गादास नागले जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के सहयोग से 29 दिव्यांगजनों को 49 सहायक उपकरण शत प्रतिशत वितरण किया गया।

ऐतिहासिक स्थल-देवगढ़ की कलकोट नदी पर जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान से किया बोरी बंधान

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार एवं म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड-मोहखेड़ के सेक्टर-1 के ग्राम-देवगढ़ में नवांकुर संस्था-सेतु वेलफेयर फाउडेंशन सोसायटी द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति-देवगढ़ में जल संचय अभियान के अंतर्गत बोरी-बंधान किया गया। जल संचय के इस अभियान कृष्णा डिगरसे, लालसिंह बट्टी, नारायण पाठे, भगवानदास घागरे, सुश्री मंजू भादे, सुंदर पवार, सरपंच रामदास डिगरसे, नरेन्द्र बुवाड़े सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से अशोक साहू, मनोज चौरिया, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि विनोद वस्त्राणें, चेतन चौधरी के संयोजन से बोरी बंधान का कार्य सम्पन्न हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता श्री ऋषि कुमार सोनी ने बताया कि हमें पानी बचाने के लिए अधिक से अधिक बोरी बंधान करना है, बोरी-बंधान से आसपास के किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। साथ ही जल स्त्रोतों में पानी का स्तर बढ़ेगा। इसके साथ ही वन के जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों को पीने का पानी ग्रीष्मकाल तक उपलब्ध हो पाएगा।

कलेक्टर ने हर्रई में किया विभिन्न शासकीय कार्यों का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन ने बुधवार को फील्ड विजिट के दौरान जिले के जनजातीय विकासखंड हर्रई के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर विभिन्न शासकीय संस्थाओं और कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान राज्य भारिया प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार अंगारिया, सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, एसडीएम अमरवाड़ा श्री हेमकरण धुर्वे, एसडीओपी सुश्री कल्याणी बरकड़े, सहित विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य विभागों के जिला एवं ब्लॉक लेवल अधिकारी उनके साथ थे। कलेक्टर श्री नारायन ने ग्राम रातेर में उप स्वास्थ्य केंद्र, आरोग्य आंगनबाड़ी केंद्र, एकीकृत शाला और नल जल के कार्यों का निरीक्षण किया। उप स्वास्थ्य केंद्र बंद पाये जाने पर नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि सी.एच.ओ नियमित अंतराल पर आती हैं और ग्रामों में विजिट भी करती हैं, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण आरोग्य आंगनबाड़ी केंद्र का ही उपयोग किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर श्री नारायन ने उप स्वास्थ्य केंद्र भवन की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने नल जल कार्य में खुले पाइप और टोंटी की गुणवत्ता देखकर भी नाराजगी जाहिर की और परिसर के हैंडपंप को ठीक करवाने व ग्राम में नल जल योजना का कार्य शीघ्र पूर्ण कर पानी सप्लाई प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही कार्य में मिली लापरवाही और मॉनिटरिंग में कमी पाए जाने पर पी.एच.ई के उप यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री नारायन ने ग्राम चारगांव में भी नवीन निर्माणाधीन आरोग्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया और गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

4 दिसंबर 1889 महानायक टंट्या भील का बलिदान

गद्दार गणपत ने फाँसी के फंदे पर पहुँचाया

रमेश शर्मा

स्वतंत्रता के जिस शुभ्र प्रकाश में हम आज स्वछंद श्वांस ले रहे हैं । यह साधारण नहीं है । इसके पीछे अगणित हुतात्माओं का बलिदान हुआ है । कुछ को हम जानते हैं, याद करते हैं, गीत गाते हैं लेकिन कितने ऐसे हैं जिनके बारे में हम कुछ नहीं जानते । जिन्हे हम याद तक नहीं करते हैं, जिनका उल्लेख इतिहास के पन्नो पर मिल तो जाता है पर अत्यल्प । ऐसे योद्धा अनगिनत हैं जिन्होंने इस राष्ट्र के लिये, राष्ट्र की संस्कृति के लिये बलिदान दिया और समय की परतों में कहीं खो गये हैं ।

वनवासी महानायक टंट्या भील ऐसे ही बलिदानी हैं । जिन्हे अंग्रेजों ने अपराधी कहा और स्वतंत्रता के बाद की आरंभिक पीढ़ियों ने भी वही माना । लेकिन अब सच सामने आ रहा है इतिहास की परतें खुल रहीं हैं हम उनके बलिदान से अवगत हो रहें हैं और इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार और समाज दोनों स्मरण कर रहे हैं । जिन्होंने अपना जीवन, अपना परिवार ही नहीं पीढ़िया कुर्बान कर दीं । वनवासी नायक टंट्या भील की संघर्ष गाथा से भी परतें उठ रहीं हैं और समाज उनके शौर्य वीरता संकल्पशीलता से अवगत हो रहा है ।हालांकि वन अंचलों में उनकी किंवदंतियां हैं । वे कहानियों में अमर हैं, पर इतिहास के पृष्ठों पर उतना स्थान नहीं, पर्याप्त विवरण भी नहीं । कोई कल्पना कर सकता है कि दो हजार सशस्त्र सिपाहियों की अंग्रेजी फौज उनके पीछे सालों पर पड़ी रही लेकिन वे हाथ न आये अंग्रेजों को छकाते रहे न रुके न थके । और अंत में अंग्रेजों ने एक चाल चली । वे जिसे शक्ति से न पकड़ पाये उसे धोखा देकर पकड़ा । इसके लिये एक ऐसा विश्वासघाती गणपत सामने आया जिसकी पत्नि टंट्या भील को राखी बाँधती थी । टंट्या श्रावण की पूर्णिमा को राखी बंधवाने आये और राखी का यह बंधन उन्हे फाँसी के फंदे पर ले गया ।

उनका प्रभाव 1700 गांवो तक था । वे अंग्रेजों और उनके दलालों के सख्त दुश्मन थे । जब वे किशोर वय के थे तब उन्होंने अंग्रेजी फौज और उनके दलालों का जन सामान्य पर अत्याचार देखा था । वनवासियों और गाँवों में ढाया गया कहर देखा था यह अंग्रेजों द्वारा 1857 की क्रान्ति के दमन का दौर था । क्रांति की असफलता के बाद अंग्रेजों ने उन भूमिगत लोगों को ढूंढा था जो भूमिगत हो गये थे । उनकी तलाश में गाँव के गाँव जलाये गये । वनवासियों पर जुल्म ढाकर पूछताछ हुई । यह सब दृश्य टंट्या की आँखो में जीवन भर सजीव रहे । इसलिये उनके निशाने पर अंग्रेजी सिपाही और उनके मददगार व्यापारी और माल गुजार आ गये । उन्होंने वनवासी युवकों की टोली बनाई । वे तात्या टोपे से मिले, मराठों की छापामार युद्ध का तरीका सीखा और अंग्रेजों के विरुद्ध छेड़ दिया अभियान ।

बलिदानी टंट्या मामा का जन्म खंडवा जिले की पंधाना तहसील के अंतर्गत ग्राम बड़दा में हुआ था । उनके पिता भाऊसिंह एक सामान्य कृषक थे । माता का निधन बचपन में हो गया था । एक समय ऐसा भी आया जब पिता भी कुछ दिनों के लिये बंदी बनाये गये । टंट्या का पालन मामा मामी के यहाँ हुआ । उनका शरीर दुबला पतला और लंबा था, उनमें फुर्ती अद्भुत थी । मनोबल इतना कि बिना रुके मीलों दौड़ सकते थे । वनवासियों की भाषा में जो पौधा पतला और लंबा होता है उसे %तंटा% कहते हैं । यही नाम पड़ गया जो आगे चलकर टंट्या हो गया ।

उन्होंने बचपन में तीर कमान गोफन चलाना लाठी चलाना बहुत अच्छे से सीख लिया था । आगे चलकर उनका

विवाह वनवासी युवती कागज बाई से हो गया संतान भी हुई । आरंभिक जीवन एक सामान्य वनवासी की भांति बीता । वे तीस वर्ष के हो गये । तब दो घटनाएं आसपास घटी । यह वो समय था जब ब्रिटिश सरकार 1857 की क्रान्ति के हुये नुकसान को लगान बढ़ा कर वसूल कर रही थी । वनोपज और कृषि उपज मानों बंदूक की ताकत से एकत्र की जा रही थी । यह 1872 के आसपास का कालखंड था । प्राकृतिक आपदा आरंभ हुई । जो लगभग छै साल चली । कृषि और वनोपज दोनों घटी । उत्पादन इतना भी नहीं कि किसान अपना परिवार और पशु पाल सकें । लेकिन वसूली में कोई कटौती न हो सकी । भय और भूख से बेहाल लोगों का पलायन शुरु हुआ । नौबत भुखमरी तक आई । भूख से तड़पते लोग टंट्या से न देखे गये । वह 1876 का वर्ष था और 30 जून की तिथि । टंट्या ने जमीदार से बात की जो अंग्रेजों के कहने पर अनाज कहीं भेजने वाला था । टंट्या के साथ बड़ी संख्या में वनवासी और ग्राम वासियों ने आग्रह किया कि यह अनाज भूख से मरते लोगों की जीवन रक्षा के लिये दे दो । लेकिन जमींदार अंग्रेजी दबाव से मजबूर था बात न बनी । और अंत मे गोदाम पर धावा बोल दिया टंट्या ने जमीदार के लठैत कुछ न कर सके । इससे अंग्रेज बौखला गये टंट्या के साथ पूरे गाँव और अंचल के लोगों की गिरफ्तारी हुई यह संख्या 80 बताई जाती है । टंट्या बीस अन्य वनवासी साथियों के साथ जेल की दीवार फांद कर भाग निकले । वस यहाँ से उनके और अंग्रेजी सिपाहियों के बीच भागदौड शुरू हुई । पूरा नवांचल और ग्रामीण क्षेत्र टंट्या के साथ कोई पता न बताता । टंट्या की टीम बढ़ती जा रही थी । हर गाँव में उनके साथी होते । टंट्या के दो ही लक्ष्य होते थे । एक जहाँ कहीं अंग्रेज सिपाही दिखते उनपर हमला बोलना और दूसरे अंग्रेजों के दलाल मालगुजारों और जमींदारों के गोदाम लूटकर अनाज जनता के बीच बांटना ।

समय के साथ उनका दायरा बढ़ा । संपूर्ण निमाड़ के साथ इससे लगी महाराष्ट्र की सीमा, खानदेश, विदर्भ होशंगाबाद बैतूल के समस्त पर्वतीय क्षेत्र में उनका दबदबा था । इस इलाके में शायद ही कोई ऐसी रेलगाड़ी सुरक्षित निकली हो जिसपर टंट्या की टीम ने धावा न बोला हो ।

उन्हे पकड़ने के लिये एक तरफ अंग्रेजों ने इनाम घोषित किये दूसरी तरफ दो हजार सिपाहियों की कुमुक ने पीछा शुरू किया । कहते है टंट्या पशु पक्षी की भाषा समझते थे । मिलिट्री मूवमेंट से भयभीत पशु पक्षी के संकेतों से टंट्या उनकी दिशा समझ लेते थे और सावधान हो जाते थे ।

हारकर अंग्रेजों ने एक चाल चली । वनेर गाँव में उनकी बहन रहती थी । वे अक्सर राखी पर वहां जाते थे । अंग्रेजों ने पहले बहनोई गुप्त संपर्क किया और इनाम का लालच देकर टंट्या को सिरेन्डर केलिये तैयार करने कहा । टंट्या न माने । अंत मे 1889 को राखी का त्यौहार आया । गणपत ने आग्रह पूर्वक बुलाया । टंट्या अपने बारह साथियों के साथ राखी बंधवाने आये और वहां पहले से वेश बदल कर मौजूद अंग्रेज सिपाहियों के साथ लग गये उनपर लूट डकैती सिपाहियों से मारपीट और हथियार छीनने के कुल 124 मामले दर्ज थे । इन सब के लिये 4 दिसंबर 1889 को फाँसी दे दी गयी । उनपर बहुत अत्याचार हुये कि वे अपने सहयोगियों और साथियों के नाम बता दें । लेकिन टंट्या का मुंह न खुला । यह भी कहा जाता है कि टंट्या के प्राण यातनाओं और भूखा प्यासा रखने मे ही निकल गये थे । फांसी पर उनकी मृत देह को लटकाया गया ।

जो हो आज बलिदानी टंट्या भील पूरे वन अंचल में मामा के रूप में जाना जाता है । हर वनवासी महिला चाहती सै कि उसका भाई टंट्या जैसा हो । टंट्या जितने प्रसिद्ध वन अंचल की लोक गाथा में है, कहानियों मे किंवदंतियों में है उतने ही इतिहास में कम ।

विधानसभा के नजारे छायाचित्रों में

भोपाल। विधानसभा के अंदर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं पूर्व मंत्री वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, मंत्री राव उदयप्रताप सिंह, पूर्व मंत्री जयंत मलैया, विधायक विष्णु खत्री, संजय पाठक, आईएएस अधिकारी शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य सदस्य मेल-मुलाकात और चर्चा करते हुए।

सांध्यप्रकाश विशेष

मंडपेश्वर गुफाओं, बोरीवली, मुंबई में बाई ओर का गुफा पैनल...

पूजा स्थल के रूप में कार्य करता था, जो इस स्थल के स्तरित अतीत को दर्शाता हैद मंडपेश्वर गुफाओं की नक्काशी लगभग 1,500 वर्ष पुरानी होने का अनुमान है, जो छठी से आठवीं शताब्दी के बीच की है। यहाँ ऐतिहासिक काल का विवरण दिया गया है।

मंडपेश्वर गुफाएँ एलीफेंटा और जोगेश्वरी जैसी अन्य मुंबई गुफाओं के समान, शास्त्रीय शैलकृत वास्तुकला का प्रदर्शन करती हैं। परिसर की विशेषताएँ:

मुख्य घटक: स्तंभयुक्त प्रांगण, मुख्य हॉल, पार्श्व कक्ष,

गर्भगृह जिसमें एक शिवलिंग और एक नंदी बैल की मूर्ति है

मूर्तियाँ और नक्काशी: नटराज, शिव-पार्वती, गणेश, ब्रह्मा और इंद्रदेव की जटिल नक्काशीदार मूर्तियाँ, पौराणिक कथाओं और हिंदू देवताओं के चित्रण, शैलकृत मंडप और जलकुंड, पुर्तगाली चर्च के खंडहर और एक पत्थर का क्रॉस, जो पुर्तगाली और ब्रिटिश शासन के दौरान इस स्थल के इतिहास को दर्शाता है

स्थापत्य शैली: प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक विकास को प्रभावित करने वाली बौद्ध और हिंदू परंपराओं का संयोजन, चट्टानों को काटकर बनाए गए कक्ष जिनमें देवताओं की मूर्तियाँ, हिंदू पौराणिक कथाओं के दृश्य और आधार उभार में उत्कीर्ण प्रतिमाएँ हैं।

ऐतिहासिक महत्व: माना जाता है कि इसका निर्माण कोंकण मौर्यों के शासनकाल के दौरान हुआ था और बाद में सम्राट अशोक के शासनकाल में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा इसका विस्तार किया गया, यह बौद्ध और हिंदू दोनों धर्मों के लिए जाता है, जो इस स्थल का उपयोग ध्यान और मिशनरी कार्यों के लिए करते थे।

हिंदू अधिवास: बाद में, गुफाओं पर हिंदुओं का कब्ज़ा हो गया और उन्हें भगवान शिव को समर्पित मंदिरों में बदल दिया गया, जहाँ आठवीं शताब्दी के दौरान हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाई गईं।

ऐतिहासिक महत्व: मराठों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों सहित शासकों के आक्रमणों और परिवर्तनों के कारण गुफाओं में कई परिवर्तन हुए हैं, और इन परिवर्तनों के प्रमाण आज भी गुफा की विशेषताओं में दिखाई देते हैं।

शिलालेखों के अभाव के कारण नक्काशी की सटीक तारीख निर्धारित नहीं की जा सकती, लेकिन शैली और वास्तुकला के आधार पर इतिहासकारों ने अनुमान लगाया है कि गुफाएं 6वीं से 8वीं शताब्दी ई. के बीच की हैं।

आलेख एवं संकलन
अमोघ गुप्ता

बोट क्लब पर शिकारा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने गुरुवार को भोपाल बोट क्लब पर शिकारा नावों का शुभारंभ झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, धर्मेन्द्र सिंह लोधी, कृष्णा गौर, दलीप अहिरवार, राधा सिंह, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, महापौर मालती राय, वक्फ् बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

फ्यूचर्ड इनोवेशंस स्टूडियो के साथ एमओयू

बीयू में छात्रों को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर उद्यमिता का नया मंच

भोपाल, सांध्यप्रकाश। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने बुधवार को फ्यूचर्ड इनोवेशंस स्टूडियो के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलगुरु प्रोफेसर एस.के. जैन और फ्यूचर्ड इनोवेशंस स्टूडियो की ओर से डॉ. मनीष मल्होत्रा ने स्क्रीन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के बाद छात्रों को देसी रोजगार के साथ विदेशी संस्थानों में काम करने और पढ़ाई करने की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें वर्किंग वीज़ा प्राप्त करने में भी सहूलियत होगी।

देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच सेतु- डॉ. मल्होत्रा ने एमओयू को लेकर कहा कि यह समझौता देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच सेतु का कार्य करेगा। इससे विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल, नवाचार क्षमता और वैश्विक चुनौतियों से निपटने की योग्यता विकसित होगी। उन्होंने कहा कि देश में कई महत्वपूर्ण शोध कार्य और पेटेंट मौजूद हैं, लेकिन उनका औद्योगिक उपयोग सीमित है। यह स्क्रीन शोध और पेटेंट को प्रयोगशालाओं से निकालकर बाजार तक पहुंचाने में मदद करेगा।

तीन चरणों में होगा सहयोग- पेटेंट और शोध के औद्योगिक मूल्य, समसामयिक उपयोगिता और मार्केट पोटेंशियल का आकलन। उद्योगों से संपर्क कर उत्पादों में सुधार और व्यावहारिक उपयोग की दिशा में काम। छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र सहित स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, ग्लोबल स्कॉलरशिप और विदेशी विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अवसर।

शिक्षकों और छात्रों से अधिकतम लाभ उठाने की अपील- कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने शिक्षकों और छात्रों से इस समझौते का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने छात्रों को वैश्विक चुनौतियों से अपडेट रहने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से अपनी बौद्धिक क्षमता को आगे बढ़ाने की सलाह दी। कुलगुरु ने कहा कि यह एमओयू विश्वविद्यालय को वैश्विक समाज, अंतरराष्ट्रीय गवर्नेंस मॉडल, एकेडमिक एक्सीलेंस फ्रेमवर्क और बेस्ट प्रैक्टिसेज से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

एजीएम ठाकुर को भी किया निलंबित

45 पुलों के सुधार कार्यों के लिए करोड़ों रुपए की स्वीकृति

भोपाल, सांध्यप्रकाश। रायसेन जिले में हाल ही में हुए पुल हादसे के बाद मध्यप्रदेश का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) पूरे प्रदेश में सक्रिय मोड में आया है। विभाग ने पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तात्कालिक मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों की सूची जारी करते हुए 45 पुलों के सुधार कार्यों के लिए करोड़ों रुपए की स्वीकृति दी है। विधानसभा सत्र के दौरान रायसेन में पुल गिरने की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर उठे सवालों को लेकर बढ़े दबाव का परिणाम माना जा रहा है। रायसेन में पुल के भरभरा गिरने और एक व्यक्ति की मौत के बाद मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के अधिकारियों की नींद टूटी है। अब प्रदेश के सभी पुल की रिपोर्ट मंगाई गई है। वहीं, रायसेन मामले में अब समिति की जांच रिपोर्ट पर प्रभारी सहायक महाप्रबंधक विक्रम सिंह ठाकुर को भी निलंबित कर दिया गया है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के प्रबंध संचालक भरत यादव ने प्रदेशभर में निगम के अधीन सभी पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं।

कल से नया सिस्टम हिमालयी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा

मध्यप्रदेश में अगले दो दिन में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

भोपाल, सांध्यप्रकाश। प्रदेश में अब तेज ठिठुरन का दौर शुरू होने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी और उसके बाद बर्फ के पिघलने से उठने वाली ठंडी हवा प्रदेश की ओर बढ़ रही हैं। इससे आने वाले 48 घंटों में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित कई शहरों के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, एक पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के तुरंत बाद 5 दिसंबर से नया सिस्टम हिमालयी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा, जिसका प्रभाव दो दिन बाद मप्र में साफ दिखाई देगा। पहले से जमा बर्फ के पिघलने पर वहीं से उठने वाली बर्फीली हवा सीधे मध्यप्रदेश पहुंचेगी, जिससे इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग में सबसे ज्यादा सर्दी महसूस की जाएगी।

पचमढ़ी फिर सबसे ठंडा, पारा 6.7 डिग्री- मंगलवार-बुधवार की रात प्रदेश के कई हिस्सों में पारा 10 डिग्री से नीचे फिसल गया। भोपाल 9.2, इंदौर 8.4,जबलपुर 10.6 उज्जैन12, ग्वालियर 14.6 पचमढ़ी इस बार भी सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री दर्ज किया गया। कल्याणपुर (शहडोल) में 7.1, उमरिया में 8.2, अमरकंटक और शाजापुर में 8.7, जबकि रीवा-नौगांव में 9दर्ज हुआ। दिन में भी कई शहरों में अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे रहा।

नवंबर में 15 दिन चली शीतलहर- इस साल नवंबर में ठिठुरन ने पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। भोपाल में लगातार 15 दिन शीतलहर चली 1931 के बाद यह सबसे लंबा दौर रहा। 17 नवंबर की रात पारा 5.2 डिग्री तक गिर गया, जो अब तक का सर्वकालिक नवंबर रिकॉर्ड है। इंदौर में भी तापमान 6.4 डिग्री तक फिसल गया 25 वर्षों में सबसे कम।